No. 11024/06/2023 – PMA Government of India Ministry of Home Affairs Police-I Division (PMA Cell)

> Room No.14, North Block, New Delhi Dated the 16<sup>th</sup> October, 2023

To

- (i) The Chief Secretaries of all the States/UTs
- (ii) The Home Secretaries of all the States/UTs/
- (iii) DsGP of all the States/UTs
- (iv) Directors IB/CBI/SVPNPA/SPG/NEPA/ NCRB
- (v) DsG -BSF/ CRPF/ ITBP/ CISF/ NSG/ NIA/ RPF/ BPR&D /SSB/ NCB/ NDRF/NHRC/Assam Rifles (Through LOAR)
- (vi) The Secretary, R&AW, Cabinet Sectt., CGO Complex, New Delhi.
- (vii) Secretary, Commission for SCs/STs, LNB, Khan Market, New Delhi
- (viii) The Secretary, Lok Sabha /Rajya Sabha Secretariat, New Delhi
- (ix) All Ministries/Departments of Government of India (except M/o Defence)

Sub: General procedures and Guidelines governing "President's Medal for Gallantry" & "Medal for Gallantry" and "President's Medal for Distinguished Service" & "Medal for Meritorious Service" - reg.

Sir/Madam,

I am directed to refer to the subject cited above and to say the President's Secretariat vide Notification Nos. 88-Pres/2023, 89-Pres/2023, 90-Pres/2023 and 91-Pres/2023 dated 14.10.2023 (*copy enclosed*) has notified the following:

- i. Merging of four existing President's Gallantry Medals (for Police, Fire Service, Home Guard & Civil Defence and Correctional Service) in one Medal namely "President's Medal for Gallantry" with immediate effect.
- ii. Merging of four existing Gallantry Medals (for Police, Fire Service, Home Guard & Civil Defence and Correctional Service) in one Medal namely "Medal for Gallantry" with immediate effect.
- iii. Merging of four existing President's Distinguished Service Medal (for Police, Fire Service, Home Guard & Civil Defence and Correctional Service) in one Medal namely "President's Medal for Distinguished Service" with immediate effect.
- iv. Merging of four exiting Meritorious Service Medal (for Police, Fire Service, Home Guard & Civil Defence and Correctional Service) in one Medal namely "Medal for Meritorious Service" with immediate effect.

School

- 2. Notifications of above mentioned newly instituted four medals have also been notified vide President's Secretariat's Notification Nos. 84-Pres/2023, 85-Pres/2023, 86-Pres/2023 and 87-Pres/2023 dated 14.10.2023 (copy enclosed).
- 3. On the above context, bilingual (*Hindi and English*) Guidelines/SOPs of newly instituted "President's Medal for Gallantry" & "Medal for Gallantry" (*Combined Gallantry SOP*) and "President's Medal for Distinguished Service" & "Medal for Meritorious Service" (*Combined Service SOP*) are attached.

Yours faithfully,

Encl: As above.

(D K Ghosh)

Under Secretary to the Government of India Tel. No.: 011 -23094009

#### Copy to:

- 1. All the Heads of Fire Services in the all States/UTs
- 2. All the Directors of Civil Defence in the all States/UTs
- 3. All the Commandant General Home Guards in the all States/UTs
- 4. Prison/Home-In-charge of Prisons in the all States/UTs
- 5. DIG/IG (Prisons) of the all States/UTs
- 6. DG, Awards, MHA
- 7. All Divisions in Ministry of Home Affairs
- 8. SO, IT with request to upload the same on MHA website (what's new)

पृष्ठ सं.

1975

183

3663

# The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-14102023-249431 CG-DL-W-14102023-249431

#### साप्ताहिक/WEEKLY

# प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 41]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 14—अक्तूबर 20, 2023 (आश्विन 22, 1945)

No. 41]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 14—OCTOBER 20, 2023 (ASVINA 22, 1945)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

#### विषय-सूची

| भगा I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं,   |  |          | , , <del>k</del> ,,                                      |
|---|--|----------|--|
| भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनयमों, अदेशाँ तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं   | τ  | गष्ठ सं. | 1  |
| गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं   | भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के    | -        |  |
| संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं  |  |          | आदेश और अधिसूचनाएं,                                      |
| भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नितयों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं  | गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा                   |          |  |
| मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, परोन्नितयों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिभूचनाएं  | संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं                         | 617      | (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय         |
| मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नितयों, खुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं  | भाग ।—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के    |          | प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को         |
| पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं  | मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की             |          | छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक              |
| अधिसूचनाएं  | गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों,                     |          | नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य                |
| भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं   |  |          | स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी              |
| भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं   | अधिसूचनाएं   | 951      | प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत               |
| अधिसूचनाएं  | भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय  द्वारा जारी किए गए संकल्पों |          | के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित              |
| अधिसूचनाएं  |  |          | होते हैं)  |
| भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नितयों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं  | अधिसूचनाएं   | 11       | भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक |
| खुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं   | भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी     |          | नियम और आदेश   |
| भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम   | अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों,                  |          | भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और              |
| भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ   | छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं                  | 2291     |  |
| का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ  | भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम                | *        | रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध                       |
| भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट  |  |          | और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई                  |
| के बिल तथा रिपोर्ट * डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नेटिस भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं) | का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ                         | *        |  |
| भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)  | भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों      |          |  |
| (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)   |  | *        | डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस                |
| प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)  | · ·  |          |  |
| छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और अौर नोटिस शामिल हैं   |  | ļ        |  |
| नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और अौर और नोटिस शामिल हैं   |  |          | भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों  |
| उपविधियां आदि भी शामिल हैं) * भाग IVगैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा<br>भाग IIखण्ड-3उप खण्ड (ii)भारत सरकार के मंत्रालयों जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस<br>(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय भाग Vअंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों   |  |          | द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन             |
| भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस<br>(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों   |  |          |  |
| (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों  |  | *        |  |
|   |  |          |  |
| प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को को दर्शाने वाला सम्पूरक  |  |          |  |
|   | प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को         |          | को दर्शाने वाला सम्पूरक                                  |

#### **CONTENTS**

|  | Page<br>No.            |  | Page<br>No. |
|--|------------------------|--|-------------|
| PART I—Section 1—Notifications relating to Non-<br>Statutory Rules, Regulations, Orders and<br>Resolutions issued by the Ministries of<br>the Government of India (other than the<br>Ministry of Defence) and by the Supreme | ·<br>·                 | (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts,  | *           |
| Court  | 951                    | published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories) | *           |
| Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence   | 1                      | Part II—Section 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence   | *           |
| PART I—Section 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence PART II—Section 1—Acts, Ordinances and Regulations                                    | 2291<br>*              | PART III—Section 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India  | 1975        |
| PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations  | l                      | PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs  | 京           |
| Committee on Bills   |                        | PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners   | 祩           |
| Statutory Rules (including Orders, Byelaws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the   | ;<br><del>.</del><br>; | PART III—Section 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies  | 183         |
| Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) Part II—Section 3—Sub-Section (ii)—Statutory  | *                      | PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies  | 3663        |
| Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India   | ;                      | PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi   | *           |

<sup>\*</sup>Folios not received.

### भाग I—खण्ड 1 [PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

#### राष्ट्रपति सचिवालय

#### नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्तूबर 2023

सं. 84-प्रेज/2023—राष्ट्रपति, भारत में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के पुलिस वलों /केंद्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ)/केंद्रीय सशस्त्र पुलिस वलों (सीएपीएफ), सुरक्षा संगठनों, अग्निशमन सेवा (केंद्रीय मंत्रालयों या विभागों, राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, नगरपालिका और अन्य स्वायत्त निकायों एवं सार्वजिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा संगठित और प्रशासित), जेल प्रशासन, होम गार्ड एवं सिविल डिफेंस के मान्यता-प्राप्त सदस्यों के दुर्लभ विशिष्ट वीरता कार्य को मान्यता प्रदान करने के लिए दिए जाने वाले "राष्ट्रपति का वीरता पदक" पुरस्कार का गठन सहर्ष करती हैं और "राष्ट्रपति का वीरता पदक" को शासित करने के लिए निम्नलिखित संविधियां स्थापित करती हैं जो वर्ष दो हजार तेईस में अक्तूबर माह के चौदहवें दिन से प्रभावी होंगी।

प्रथमत: : यह पुरस्कार एक पदक के रूप में होगा और "राष्ट्रपति का वीरता पदक" के नाम से जाना जाएगा एवं (इसके पश्चात इसका उल्लेख पदक के रूप में होगा )।

दूसरे : पदक आकार में गोलाकार होगा, चांदी के स्वर्ण गिल्ट से बना होगा, इसका व्यास एक सही तीन वटे आठ इंच होगा, इसकी मोटाई 3 मिमी होगी और वीच में आदर्श वाक्य "सत्यमेंव जयते" के साथ राष्ट्र का प्रतीक चिन्ह उभरा होगा और ऊपरी किनारे पर "राष्ट्रपित का वीरता पदक" शब्द और निचले किनारे पर "President's Medal for Gallantry" शब्द उत्कीर्ण होगा । हिंदी और अंग्रेजी उत्कीर्णन दोनों ओर एक छोटे स्टार द्वारा अलग होंगे। पृष्ठ भाग पर मध्य में "अशोक चक्र" और ऊपरी और निचले किनारे पर क्रमश: "राष्ट्रपित का वीरता पदक" और "President's Medal for Gallantry" शब्द उत्कीर्ण होंगे।

तीसरे: जिन्हें यह पदक प्रदान किया जाएगा, उनके नाम भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए जाएंगे और गृह मंत्रालय में ऐसे नामों का रजिस्टर ऐसे व्यक्ति द्वारा रखा जाएगा जिसे राष्ट्रपति निदेश दे।

चौथे : प्रत्येक पदक बाएं वक्ष पर प्रलंबित होगा और रिवन, एक सही तीन वटे आठ इंच चौड़ी पट्टी होगी, जो आधा नीला और आधा रजत-श्वेत रंग का होगा और दोनों रंग एक 1/8 इंच चौड़ी ऊर्ध्वाधर लाल धारी से पृथक किए जाएंगे।

पांचवे : बहादुरी का ऐसा कार्य जो "राष्ट्रपति का वीरता पदक" के पुरस्कार प्रदान किए जाने के योग्य है, किन्तु किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा किया गया है जिसे पहले ही अलंकरण प्रदान किया जा चुका है तो उसे उस पट्टी के साथ एक बार जोड़ कर रिकार्ड किया जायेगा जिससे पदक प्रलंबित है। ऐसे प्रत्येक अतिरिक्त कार्य के लिये एक अतिरिक्त बार जोड़ा जाएगा और प्रदान किये गये प्रत्येक बार के लिये, एक छोटा चांदी का गुलाब पट्टी से जोड़ा जाएगा जब इसे अकेले धारण किया जाए।

छठे: राष्ट्रपति, उक्त अलंकरण के सम्बंध में किसी व्यक्ति को दिये गये पुरस्कार को रद्द करने और विलोपन करने के लिये सक्षम है और ऐसा करने पर उसका नाम रजिस्टर से हटा दिया जायेगा। तथापि, राष्ट्रपति, ज़ब्त किये गये अलंकरण को बहाल करने के लिये सक्षम है। जिस व्यक्ति को यह अलंकरण प्रदान किया गया है वह इसे प्राप्त करने से पहले इस आशय के करार पर हस्ताक्षर करेगा कि यदि उसका नाम हटा जाता है तो वह पदक वापस देगा। प्रत्येक मामले में पदक रद्द करने या बहाल करने का नोटिस भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

सातवे : गृह मंत्रालय, इन संविधियों के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए नियम बनाने में सक्षम होगा।

एस एम समी अवर सचिव

सं. 85-प्रेज/2023—राष्ट्रपति, भारत में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के पुलिस वलों /केंद्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ)/केंद्रीय सशस्त्र पुलिस वलों (सीएपीएफ), सुरक्षा संगठनों, अग्निशमन सेवा (केंद्रीय मंत्रालयों या विभागों, राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, नगरपालिका और

अन्य स्वायत्त निकायों एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा संगठित और प्रशासित), जेल प्रशासन, होम गार्ड एवं सिविल डिफेंस के मान्यता-प्राप्त सदस्यों के विशिष्ट वीरता कार्य को मान्यता प्रदान करने के लिए दिए जाने वाले " वीरता पदक " पुरस्कार का गठन सहर्ष करती हैं और "वीरता पदक" को शासित करने के लिए निम्नलिखित संविधियां स्थापित करती हैं जो वर्ष दो हजार तेईस में अक्तूबर माह के चौदहवें दिन से प्रभावी होंगी:

प्रथमत: : यह पुरस्कार एक पदक के रूप में होगा और "वीरता पदक" के नाम से जाना जाएगा एवं (इसके पश्चात इसका उल्लेख पदक के रूप में होगा )।

दूसरे : पदक आकार में गोलाकार होगा, कप्रोनिकेल से बना होगा, इसका व्यास एक सही तीन बटे आठ इंच होगा, इसकी मोटाई 3 मिमी होगी और बीच में आदर्श वाक्य "सत्यमेंब जयते" के साथ राष्ट्र का प्रतीक चिन्ह उभरा होगा और ऊपरी किनारे पर " वीरता पदक" शब्द और निचले किनारे पर "Medal for Gallantry" शब्द उत्कीर्ण होगा । हिंदी और अंग्रेजी उत्कीर्णन दोनों ओर एक छोटे स्टार द्वारा अलग होंगे । पृष्ठ भाग पर मध्य में "अशोक चक्र" और ऊपरी और निचले किनारे पर क्रमश: "वीरता पदक" और "Medal for Gallantry" शब्द उत्कीर्ण होंगे । हिंदी और अंग्रेजी उत्कीर्णन दोनों ओर एक छोटे स्टार द्वारा अलग होंगे ।

तीसरे: जिन्हें यह पदक प्रदान किया जाएगा, उनके नाम भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए जाएंगे और गृह मंत्रालय में ऐसे नामों का रजिस्टर ऐसे व्यक्ति द्वारा रखा जाएगा जिसे राष्ट्रपति निदेश दे।

चौथे: प्रत्येक पदक बाएं वक्ष पर प्रलंबित होगा और रिबन, एक सही तीन बटे आठ इंच चौड़ी पट्टी होगी और इसमें तीन ऊर्ध्वाधर धारियाँ होंगी जो बाए में केसरिया, बीच में सुनहरा पीला और दाहिने ओर हरे रंग की होंगी। प्रत्येक धारी रिबन की चौड़ाई की एक तिहाई आकार की होगी।

पांचवे : वहादुरी का ऐसा कार्य जो " वीरता पदक " के पुरस्कार प्रदान किए जाने के योग्य है, किन्तु किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा किया गया है जिसे पहले ही अलंकरण प्रदान किया जा चुका है तो उसे उस पट्टी के साथ एक बार जोड़ कर रिकार्ड किया जायेगा जिससे पदक प्रलंबित है। ऐसे प्रत्येक अतिरिक्त कार्य के लिये एक अतिरिक्त बार जोड़ा जाएगा और प्रदान किये गये प्रत्येक बार के लिये, एक छोटा चांदी का गुलाब पट्टी से जोड़ा जाएगा जब इसे अकेले धारण किया जाए।

छठे : राष्ट्रपति, उक्त अलंकरण के सम्बंध में किसी व्यक्ति को दिये गये पुरस्कार को रद्द करने और विलोपन करने के लिये सक्षम है और ऐसा करने पर उसका नाम रजिस्टर से हटा दिया जायेगा । तथापि, राष्ट्रपति, ज़व्त किये गये अलंकरण को वहाल करने के लिये सक्षम है। जिस व्यक्ति को यह अलंकरण प्रदान किया गया है वह इसे प्राप्त करने से पहले इस आशय के करार पर हस्ताक्षर करेगा कि यदि उसका नाम हटा जाता है तो वह पदक वापस देगा। प्रत्येक मामले में पदक रद्द करने या वहाल करने का नोटिस भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

सातवे : गृह मंत्रालय, इन संविधियों के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए नियम बनाने में सक्षम होगा।

एस एम समी अवर सचिव

सं. 86-प्रेज/2023—राष्ट्रपति, भारत में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के पुलिस वलों /केंद्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ)/केंद्रीय सशस्त्र पुलिस वलों (सीएपीएफ), सुरक्षा संगठनों, अग्निशमन सेवा (केंद्रीय मंत्रालयों या विभागों, राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, नगरपालिका और अन्य स्वायत्त निकायों एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा संगठित और प्रशासित), जेल प्रशासन, होम गार्ड एवं सिविल डिफेंस के मान्यता-प्राप्त सदस्यों के विशिष्ट सेवा को मान्यता प्रदान करने के लिए दिए जाने वाले " राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक" का गठन सहर्ष करती हैं और "राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक" को शासित करने के लिए निम्नलिखित संविधियां स्थापित करती हैं जो वर्ष दो हजार तेईस अक्तूबर माह के चौदहवें दिन से प्रभावी होंगी:

प्रथमत : यह पुरस्कार एक पदक के रूप में होगा और " राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक " के नाम से जाना जाएगा एवं (इसके पश्चात इसका उल्लेख पदक के रूप में होगा ) ।

दूसरे : पदक आकार में गोलाकार होगा, कप्रोनिकेल से बना होगा, इसका व्यास एक सही तीन बटे आठ इंच होगा, इसकी मोटाई 3 मिमी होगी और बीच में आदर्श वाक्य "सत्यमेंव जयते" के साथ राष्ट्र का प्रतीक चिन्ह उभरा होगा और ऊपरी किनारे पर "राष्ट्रपित का विशिष्ट सेवा पदक" शब्द और निचले किनारे पर "President's Medal for Distinguished Service" शब्द उत्कीर्ण होगा। हिंदी और अंग्रेजी उत्कीर्णन दोनों ओर एक छोटे स्टार द्वारा अलग होंगे। पृष्ठ भाग पर मध्य में "अशोक चक्र" और ऊपरी और निचले किनारे पर क्रमश: "राष्ट्रपित का विशिष्ट सेवा पदक" और "President's Medal for Distinguished Service" शब्द उत्कीर्ण होंगे। हिंदी और अंग्रेजी उत्कीर्णन दोनों ओर एक छोटे स्टार द्वारा अलग होंगे।

तीसरे : जिन्हें यह पदक प्रदान किया जाएगा, उनके नाम भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए जाएंगे और गृह मंत्रालय में ऐसे नामों का रजिस्टर ऐसे व्यक्ति द्वारा रखा जाएगा जिसे राष्ट्रपति निदेश दे। चौथे : प्रत्येक पदक बाएं वक्ष पर प्रलंबित होगा और रिवन, एक सही तीन वटे आठ इंच चौड़ी पट्टी होगी और इसमें 8 मिमी चौड़ाई की नीले रंग की दो ऊर्ध्वाधर धारियाँ और बीच में सुनहरे पीले रंग की धारी होगी । नीले और सुनहरे पीले रंग की धारियाँ 4 मिमी चौड़ाई की लाल रंग की दो ऊर्ध्वाधर धारियों से अलग की जाएंगी ।

पांचवे: राष्ट्रपति, उक्त अलंकरण के सम्बंध में किसी व्यक्ति को दिये गये पुरस्कार को रद्द करने और विलोपन करने के लिये सक्षम है और ऐसा करने पर उसका नाम रजिस्टर से हटा दिया जायेगा। तथापि, राष्ट्रपति, ज़ब्त किये गये अलंकरण को वहाल करने के लिये सक्षम है। जिस व्यक्ति को यह अलंकरण प्रदान किया गया है वह इसे प्राप्त करने से पहले इस आशय के करार पर हस्ताक्षर करेगा कि यदि उसका नाम हटा जाता है तो वह पदक वापस देगा। प्रत्येक मामले में पदक रद्द करने या वहाल करने का नोटिस भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

छठे : गृह मंत्रालय, इन संविधियों के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए नियम बनाने में सक्षम होगा।

एस एम समी अवर सचिव

सं. 87-प्रेज/2023—राष्ट्रपति, भारत में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के पुलिस वलों /केंद्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ)/केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ), सुरक्षा संगठनों, अग्निशमन सेवा (केंद्रीय मंत्रालयों या विभागों, राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, नगरपालिका और अन्य स्वायत्त निकायों एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा संगठित और प्रशासित), जेल प्रशासन, होम गार्ड एवं सिविल डिफेंस के मान्यता-प्राप्त सदस्यों के सराहनीय सेवा को मान्यता प्रदान करने के लिए दिए जाने वाले " सराहनीय सेवा के लिए पदक " पुरस्कार का गठन सहर्ष करती हैं और "सराहनीय सेवा के लिए पदक" को शासित करने के लिए निम्नलिखित संविधियां स्थापित करती हैं जो वर्ष दो हजार तेईस में अक्तूबर माह के चौदहवें दिन से प्रभावी होंगी .

प्रथमत: : यह पुरस्कार एक पदक के रूप में होगा और " सराहनीय सेवा के लिए पदक " के नाम से जाना जाएगा एवं (इसके पश्चात इसका उल्लेख पदक के रूप में होगा )।

दूसरे : पदक आकार में गोलाकार होगा, कांसे से बना होगा, इसका व्यास एक सही तीन बटे आठ इंच होगा, इसकी मोटाई 3 मिमी होगी और बीच में आदर्श वाक्य "सत्यमेंव जयते" के साथ राष्ट्र का प्रतीक चिन्ह उभरा होगा और ऊपरी किनारे पर "सराहनीय सेवा के लिए पदक" शब्द और निचले किनारे पर " Medal for Meritorious Service" शब्द उत्कीर्ण होगा । हिंदी और अंग्रेजी उत्कीर्णन दोनों ओर एक छोटे स्टार द्वारा अलग होंगे । पृष्ठ भाग पर मध्य में "अशोक चक्र" और ऊपरी और निचले किनारे पर क्रमश: "सराहनीय सेवा के लिए पदक" और " Medal for Meritorious Service" शब्द उत्कीर्ण होंगे। हिंदी और अंग्रेजी उत्कीर्णन दोनों ओर एक छोटे स्टार द्वारा अलग होंगे।

तीसरे : जिन्हें यह पदक प्रदान किया जाएगा, उनके नाम भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए जाएंगे और गृह मंत्रालय में ऐसे नामों का रजिस्टर ऐसे व्यक्ति द्वारा रखा जाएगा जिसे राष्ट्रपति निदेश दे।

चौथे : प्रत्येक पदक वाएं वक्ष पर प्रलंबित होगा और रिबन, एक सही तीन वटे आठ इंच चौड़ी पट्टी होगी और इसमें 04 मिमी चौड़ाई की नीले रंग की दो ऊर्ध्वाधर धारियाँ और मध्य में 08 मिमी चौड़ाई की एक केसरिया रंग की धारी होगी। नीले और केसरिया रंग की धारियाँ 8 मिमी चौड़ाई की लाल रंग की दो ऊर्ध्वाधर धारियों से अलग की जाएंगी।

पांचवे : राष्ट्रपति, उक्त अलंकरण के सम्बंध में किसी व्यक्ति को दिये गये पुरस्कार को रद्द करने और विलोपन करने के लिये सक्षम है और ऐसा करने पर उसका नाम रजिस्टर से हटा दिया जायेगा। तथापि, राष्ट्रपति, ज़ब्त किये गये अलंकरण को बहाल करने के लिये सक्षम है। जिस व्यक्ति को यह अलंकरण प्रदान किया गया है वह इसे प्राप्त करने से पहले इस आशय के करार पर हस्ताक्षर करेगा कि यदि उसका नाम हटा जाता है तो वह पदक वापस देगा। प्रत्येक मामले में पदक रद्द करने या बहाल करने का नोटिस भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

छठे : गृह मंत्रालय, इन संविधियों के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए नियम बनाने में सक्षम होगा।

एस एम समी अवर सचिव

सं. 88-प्रेज/2023—राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा स्थापित मौजूदा "वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक", "वीरता के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक", "वीरता के लिए राष्ट्रपति का गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा सेवा पदक" और "वीरता के लिए राष्ट्रपति का सुधार सेवा पदक" का विलय तत्काल प्रभाव से करके नए पदक "राष्ट्रपति का वीरता पदक" का सृजन किया जाता है।

एस एम समी अवर सचिव सं. 89-प्रेज/2023—राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा स्थापित मौजूदा "वीरता के लिए पुलिस पदक", "वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक, "वीरता के लिए गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा सेवा पदक" और "वीरता के लिए सुधार सेवा पदक" का विलय तत्काल प्रभाव से करके नए पदक "वीरता पदक" का सुजन किया जाता है।

एस एम समी अवर सचिव

सं. 90-प्रेज/2023—राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा स्थापित मौजूदा "विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक", "विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक", "विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा सेवा पदक" और "विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का सुधार सेवा पदक" का विलय तत्काल प्रभाव से करके नए पदक "राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक" का सृजन किया जाता है।

एस एम समी अवर सचिव

सं. 91-प्रेज/2023—राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा स्थापित मौजूदा "सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक", "सराहनीय सेवा के लिए अग्निशमन सेवा पदक", "सराहनीय सेवा के लिए गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा सेवा पदक" और "सराहनीय सेवा के लिए सुधार सेवा पदक" का विलय तत्काल प्रभाव से करके नए पदक "सराहनीय सेवा के लिए पदक"का मृजन किया जाता है।

एस एम समी अवर सचिव

#### खान मंत्रालय

#### नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 2023

#### संकल्प

- सं. ई-12011/1/2019-हिंदी—खान मंत्रालय के दिनांक 22 अप्रैल, 2022 के संकल्प सं. ई-12011/1/2019-हिंदी के क्रम में एवं संसदीय कार्य मंत्रालय के दिनांक 06 जुलाई, 2023 के कार्यालय ज्ञापन सं. 2-22(2)/1/98-सिमिति के अनुसरण में खान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा खान मंत्रालय की हिंदी सलाहकार सिमिति में श्री शिव प्रताप शुक्ल, संसद सदस्य, राज्य सभा के स्थान पर श्री कृष्ण लाल पंवार, संसद सदस्य, राज्य सभा को गैर-सरकारी सदस्य के रूप में शामिल किया जाता है।
  - 2. समिति के कार्य, निबंधन एवं शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों, राष्ट्रपित सिचवालय, उप-राष्ट्रपित सिचवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सिचवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सिचवालय, राज्य सभा सिचवालय, नीति आयोग, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, महालेखाकार, केंद्रीय राजस्व, संसदीय राजभाषा सिमिति और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को भेजी जाए।

2. यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

शकील आलम आर्थिक सलाहकार

#### PRESIDENT'S SECRETARIAT

#### New Delhi, the 14th October 2023

No. 84-Pres/2023—The President is pleased to institute "President's Medal for Gallantry" award to be conferred on the members of recognized Police Forces of States/Union Territories/Central Police Organizations (CPOs)/Central Armed Police Forces (CAPFs), Security Organizations; Fire Service (organized and administered by the Central Ministries or Departments, State Governments, Union Territory Administrations, Municipal and other Autonomous Bodies, and Public Sector Undertakings); Prison Administration, Home Guards and Civil Defence in India to recognize rare conspicuous gallant act and to make ordain and establish the following statues governing President's Medal for Gallantry, which shall be deemed to have effect from the Fourteenth day of October month in the year Two Thousand Twenty Three.

Firstly: The award shall be in the form of a medal and styled and designated the "President's Medal for Gallantry" and (hereinafter referred to as the Medal).

Secondly: The Medal shall be circular in shape, made of silver with gold gilt, one and three eighth inches in diameter, 3 mm in thickness and shall have embossed on the obverse the State Emblem, with its motto "सत्यमेव जयते" in the Centre and shall have engraved on the upper edge, the words "पङ्पित का वीरता पदक" and the words "President's Medal for Gallantry" inscribed on the lower edge thereof. Hindi and English inscription shall be separated by a small Star appearing on either side. On the reverse, it shall have embossed the "Ashok Chakra" in the centre and the words 'पङ्पित का वीरता पदक" and the words "President's Medal for Gallantry" on the upper and lower edge respectively. Hindi and English inscription shall be separated by a small Star appearing on either side.

Thirdly: The names of those to whom this medal may be awarded may be published in the Gazette of India and a Register of such names may be kept in the Ministry of Home Affairs by such person as the President may direct.

Fourthly: Each medal shall be suspended from the left breast and the riband, of an inch and three eighth in width, shall be half blue and half silver white, the two colours being separated by a vertical red line 1/8" in width.

Fifthly: Any act of gallantry which is worthy of recognition for the award of President's Medal for Gallantry but is performed by one upon which the Decoration has already been conferred, may be recorded by a Bar attached to the riband by which the medal is suspended. For every such additional act, an additional Bar may be added and for each Bar awarded, a small silver rose with gold gilt shall be added to the riband when worn alone.

Sixthly: It shall be competent for the President to cancel and annul the award to any person of the above Decoration and that there upon his name in the Register shall be erased. It shall, also, be competent for the President to restore any Decoration, which may have been so forfeited. Every person to whom, the said decoration is awarded shall, before receiving the same, enter into an agreement, to return the medal if his name is erased as aforesaid. Notice of cancellation or restoration in every case shall be published in the Gazette of India.

Seventhly: It shall be competent for the Ministry of Home Affairs to frame guidelines to carry out the purpose of these statutes.

S.M. SAMI Under Secretary

No. 85-Pres/2023—The President is pleased to institute "Medal for Gallantry" award to be conferred on the members of recognized Police Forces of States/Union Territories/Central Police Organizations (CPOs) /Central Armed Police Forces (CAPFs), Security Organizations; Fire Service (organized and administered by the Central Ministries or Departments, State Governments, Union Territory Administrations, Municipal and other Autonomous Bodies, and Public Sector Undertakings); Prison Administration, Home Guards and Civil Defence in India to recognize the conspicuous gallant act and to make ordain and establish the following statues governing Medal for Gallantry, which shall be deemed to have effect from the Fourteenth day of October month in the year Two Thousand Twenty Three.

Firstly: The award shall be in the form of a medal and styled and designated the "Medal for Gallantry" and (hereinafter referred to as the Medal).

Secondly: The Medal shall be circular in shape, made of cupronickle, one and three eighth inches in diameter, 3 mm in thickness and shall have embossed on the obverse the State Emblem, with its motto "सत्यमेव जयते" in the Centre and shall have engraved on the upper edge, the words "बीरता पदक" and the words "Medal for Gallantry" inscribed on the lower edge thereof. Hindi and English inscription shall be separated by a small Star appearing on either side. On the reverse, it shall have embossed the "Ashok Chakra" in the centre and the words "बीरता पदक" and the words "Medal for Gallantry" on the upper and lower edge respectively. Hindi and English inscription shall be separated by a small Star appearing on either side.

Thirdly: The names of those to whom this medal may be awarded may be published in the Gazette of India and a Register of such names may be kept in the Ministry of Home Affairs by such person as the President may direct.

Fourthly: Each medal shall be suspended from the left breast and the riband, of an inch and three eighth in width, shall have three vertical stripes of saffron colour in left, golden yellow colour in middle and green colour in right side. Each stripe will be one third in width of the ribbon.

Fifthly: Any conspicuous act of gallantry which is worthy of recognition by the award of Medal for Gallantry but is performed by one upon which the Decoration has already been conferred, may be recorded by a Bar attached to the riband by which the medal is suspended. For every such additional act, an additional Bar may be added and for each Bar awarded, a small silver rose shall be added to the riband when worn alone.

Sixthly: It shall be competent for the President to cancel and annul the award to any person of the above Decoration and that there upon his name in the Register shall be erased. It shall, however, be competent for the President to restore any Decoration, which may have been so forfeited. Every person to whom the said decoration is awarded shall, before receiving the same, enter into an agreement, to return the medal if his name is erased as aforesaid. Notice of cancellation or restoration in every case shall be published in the Gazette of India.

Seventhly: It shall be competent for the Ministry of Home Affairs to frame guidelines to carry out the purpose of these statutes.

S.M. SAMI Under Secretary

No. 86-Pres/2023—The President is pleased to institute the "President's Medal for Distinguished Service" award to be conferred on the members of recognized Police Forces of States/Union Territories/Central Police Organizations (CPOs)/ Central Armed Police Forces (CAPFs), Security Organizations; Fire Service (organized and administered by the Central Ministries or Departments, State Governments, Union Territory Administrations, Municipal and other Autonomous Bodies, and Public Sector Undertakings); Prison Administration, Home Guards and Civil Defence in India in consideration of the outstanding devotion to duty and to make ordain and establish the following statues governing "President's Medal for Distinguished Service" which shall be deemed to have effect from the Fourteenth day of October month in the year Two Thousand Twenty Three.

Firstly: The award shall be in the form of a medal and styled and designated the "President's Medal for Distinguished Service" and (hereinafter referred to as the Medal).

Secondly: The Medal shall be circular in shape, made of cupronickle. one and three eighth inches in diameter, 3 mm in thickness and shall have embossed on the obverse the State Emblem, with its motto "सत्यमेव जयते" in the Centre and shall have engraved on the upper edge, the words "पष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक" and the words "President's Medal for Distinguished Service" inscribed on the lower edge thereof. Hindi and English inscription shall be separated by a small Star appearing on either side. On the reverse, it shall have embossed the "Ashok Chakra" in the centre and the words "राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक" and the words "President's Medal for Distinguished Service" on the upper and lower edge respectively. Hindi and English inscription shall be separated by a small Star appearing on either side.

Thirdly: The names of those to whom this medal may be awarded may be published in the Gazette of India and a Register of such names may be kept in the Ministry of Home Affairs by such person as the President may direct.

Fourthly: Each medal shall be suspended from the left breast and the riband, of an inch and three eighth in width, shall have two vertical blue stripes and a golden yellow stripe in the centre of 8 mm each in width. The blue and golden yellow stripes shall be separated by two vertical stripes of red colour of 4 mm width each.

Fifthly: It shall be competent for the President to cancel and annul the award to any person of the above Decoration and that there upon his name in the Register shall be erased. It shall, however, be competent for the President to restore any Decoration, which may have been so forfeited. Every person to whom the said decoration is awarded shall, before receiving the same, enter into an agreement, to return the medal if his name is erased as aforesaid. Notice of cancellation or restoration in every case shall be published in the Gazette of India.

Sixthly: It shall be competent for the Ministry of Home Affairs to frame guidelines to carry out the purpose of these statutes.

S.M. SAMI Under Secretary

No. 87-Pres/2023—The President is pleased to institute the "Medal for Meritorious Service" award to be conferred on the members of recognized Police Forces of States/Union Territories/Central Police Organizations (CPOs) /Central Armed Police Forces (CAPFs), Security Organizations; Fire Service (organized and administered by the Central Ministries or Departments, State Governments, Union Territory Administrations, Municipal and other Autonomous Bodies, and Public Sector Undertakings); Prison Administration, Home Guards and Civil Defence in India in consideration of the meritorious

service and to make ordain and establish the following statues governing "Medal for Meritorious Service" which shall be deemed to have effect from the Fourteenth day of October month in the year Two Thousand Twenty Three.

Firstly: The award shall be in the form of a medal and styled and designated the "Medal for Meritorious Service" and (hereinafter referred to as the Medal).

Secondly: The Medal shall be circular in shape, made of bronze, one and three eighth inches in diameter, 3 mm in thickness and shall have embossed on the obverse the "State Emblem", with its motto "सत्यमेव जयते" in the Centre and shall have engraved on the upper edge, the words "सराहनीय सेवा के लिए पदक" and the words "Medal for Meritorious Service" inscribed on the lower edge thereof. Hindi and English inscription shall be separated by a small Star appearing on either side. On the reverse, it shall have embossed the "Ashok Chakra" in the centre and the words "सराहनीय सेवा के लिए पदक" and the words "Medal for Meritorious Service" on the upper and lower edge respectively. Hindi and English inscription shall be separated by a small Star appearing on either side.

Thirdly: The names of those to whom this medal may be awarded may be published in the Gazette of India and a Register of such names may be kept in the Ministry of Home Affairs by such person as the President may direct.

Fourthly: Each medal shall be suspended from the left breast and the riband, of an inch and three eighth in width, shall have two vertical blue stripes of 4 mm each in width and a saffron stripe of 8 mm in width in the centre. The blue and saffron stripes shall be separated by two vertical stripes of red colour of 8 mm width each.

Fifthly: It shall be competent for the President to cancel and annul the award to any person of the above Decoration and that there upon his name in the Register shall be erased. It shall, however, be competent for the President to restore any Decoration, which may have been so forfeited. Every person to whom the said decoration is awarded shall, before receiving the same, enter into an agreement, to return the medal if his name is erased as aforesaid. Notice of cancellation or restoration in every case shall be published in the Gazette of India.

Sixthly: It shall be competent for the Ministry of Home Affairs to make rules to carry out the purpose of these statutes.

S.M. SAMI Under Secretary

No. 88-Pres/2023—The existing "President's Police Medal for Gallantry", "President's Fire Service Medal for Gallantry", "President's Home Guards and Civil Defence Medal for Gallantry" and "President's Correctional Service Medal for Gallantry" instituted by President's Secretariat are merged with immediate effect to institute a new medal "President's Medal for Gallantry".

S.M. SAMI Under Secretary

No. 89-Pres/2023—The existing "Police Medal for Gallantry", "Fire Service Medal for Gallantry", "Home Guards and Civil Defence Medal for Gallantry" and "Correctional Service Medal for Gallantry" instituted by President's Secretariat are merged with immediate effect to institute a new medal "Medal for Gallantry".

S.M. SAMI Under Secretary

No. 90-Pres/2023—The existing "President's Police Medal for Distinguished Service", "President's Fire Service Medal for Distinguished Service", "President's Home Guards and Civil Defence Medal for Distinguished Service" and "President's Correctional Service Medal for Distinguished Service" instituted by President's Secretariat are merged with immediate effect to institute a new medal "President's Medal for Distinguished Service".

S.M. SAMI Under Secretary

No. 91-Pres/2023—The existing "Police Medal for Meritorious Service", "Fire Service Medal for Meritorious Service", "Home Guards and Civil Defence Medal for Meritorious Service" and "Correctional Service Medal for Meritorious Service" instituted by President's Secretariat are merged with immediate effect to institute a new medal "Medal for Meritorious Service".

S.M. SAMI Under Secretary

#### MINISTRY OF MINES

#### New Delhi, the 29th September 2023

#### RESOLUTION

No. E-12011/1/2019-Hindi—In continuation of Resolution No.E-12011/1/2019-Hindi dated 22nd April, 2022 Ministry of Mines and in pursuance of O.M No.2-22(2)/1/98-Samiti dated 06.07.2023 of Ministry of Parliamentary Affairs, Shri Krishna Lal Panwar, Member of Parliament (Rajya Sabha) is included as a non-official member in the Hindi Salahakar Samiti for the Ministry of Mines vice Shri Shiv Pratap Shukla, Member of Parliament (Rajya Sabha).

2. The functions, terms and conditions etc. of the Samiti will remain unchanged.

#### ODDED

Ordered that one copy each of this resolution be communicated to all State Governments and the Union Territory Administrations, President's Secretariat, Vice President's Secretariat, Prime Minister Office, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, NITI Aayog, Comptroller & Auditor General of India, Accountant General of Central Revenues, Committee of Parliament on Official Language and all Ministries and Departments of the Govt. of India.

2. Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

SHAKIL ALAM Economic Advisor No. 11024/06/2023 - PMA Government of India Ministry of Home Affairs Police-I Division PMA Cell

North Block, New Delhi

Dated the 16th October, 2023

Subject:- General procedures and Guidelines governing "President's Medal for Gallantry" and "Medal for Gallantry".

#### Introduction

The President is pleased to institute the awards namely "President's Medal for Gallantry" (PMG) and "Medal for Gallantry" (GM) (hereinafter referred to as the awards) to be conferred on the members of recognized Police Forces of States/Union Territories/Central Police Organizations (CPOs)/Central Armed Police Forces(CAPFs), Security Organizations; Fire Service (organized and administered by the Central Ministries or Departments, State Governments, Union Territory Administrations, Municipal and other Autonomous Bodies, and Public Sector Undertakings); Prison Administration; Home Guards and Civil Defence in India.

# **Objective of the Awards**

I. The **President's Medal for Gallantry** has been instituted to recognize **rare conspicuous gallant act** of exceptional courage & skill in saving life and property, or in preventing crime or arresting criminals, apprehending a prisoner or in preventing their escape, the risk incurred being estimated with due regard to the obligations and duties of the officer concerned.

Sthoop

II. The **Medal for Gallantry** has been instituted to recognize **conspicuous gallant act** of merit in saving life and property, or in preventing crime or arresting criminals, apprehending a prisoner or in preventing their escape, the risk incurred being estimated with due regard to the obligations and duties of the officer concerned.

#### **Number of Medal**

There will be no ceiling on the number of medals to be awarded for both the gallantry awards in any one year.

#### **Timeline of Awards**

- (i) The recommendation for President's Medal for Gallantry and Medal for Gallantry may be submitted throughout the year.
- (ii) The medals will be awarded on the occasion of Republic Day and Independence Day.

#### **Nomination Process**

- A. All the recommendations for the award shall generally be filled/submitted through National Award Portal (https://awards.gov.in) as per Prescribed Performa attached as **Annexure I**.
- B. The award of gallantry medals is a continuous process and recommendation for the awards must be made by the concerned State/UT/Organizations immediately within one year from the date of relevant act of gallantry. If, the recommendation is not submitted within the stipulated time period of the gallant action, the proposal of same must be supported by valid reason of delay.
- C. If, there is any court case/ judicial proceedings/ clarification of litigation etc is pending of the case, the entire proposal may be withheld till such time when all the issues are resolved.

Stheeth

- D. The proposal of involving two or more recommendees in one single action must be sent together with a single citation and the role played in the gallant action by each recommendee must clearly be indicated in the citation.
- E. In case of joint operation of different units/forces, the role played by other forces/units and their personnel must be properly highlighted. The information must be sent in the prescribed part of the Performa.
- F. The citation must be brief, chronological and comprehensive (**not more than 400 words**). Sequence of events must be given properly.
- G. A copy of the FIR or the report made to the State Police authorities, or the State Govt. about the incident must be submitted together with legible copies of the post-mortem reports in respect of persons killed and injury reports in respect of persons injured.
- H. The Supreme Court vide its judgment 23.09.2014, in Criminal Appeal No 1255 of 1999 titled People's Union for Civil Liberties & Anr V/s State of Maharashtra & Ors has issued the guidelines regarding holding of Magisterial enquiry in the cases of death occurred in police firing. (Extract attached as Annexure III). As per the direction of the Hon'ble Supreme Court, a Magisterial Inquiry under Section 176 of the Code must invariably be held in all cases of death which occur in the course of police firing. Therefore, requirements/norms, as directed by the Hon'ble Supreme Court must be strictly observed and a copy of Magisterial Inquiry report must be submitted along with proposal in all cases of death and grievous injury in police encounters.
- I. The organization must provide Integrity certificate (attached as Annexure II) in respect of personnel for whom the award has been recommended. This certificate may also include the declaration that the recommendee has not been recommended earlier for the same gallant action.

Silve

Page 3 of 8

- J. The recommendations in respect of Central Police Organizations (CPOs)/Central Armed Police Forces (CAPFs)/are required to be signed by Director General/Additional Director General/Head of Organization concerned.
- K. All recommendations are to be routed through the State Government/UT Administration/Administrative Controlling Department to avoid technical rejections.
- L. In those cases where the above information/documents are not received along with the initial proposal, the same will be rejected with the deficiency duly pointed out to Recommending Authority.
- M.In case, anything adverse is noticed about the recommendee subsequent to the recommendations but before the declaration of the final award, details of such action should be sent to Ministry of Home Affairs immediately in a sealed cover.

#### **Selection Process**

- (i) A Committee of Senior Officers: For examination and selection of nominees at Central/State/UT Agency Level, constituted by the head of the Organizations. Thereafter, the respective Organization will submit the nominations of the same to this Ministry after completing all the codal formalities.
- (ii) **A Sub-Committee**: It is formed with the approval of Union Home Secretary at the level of Ministry of Home Affairs to scrutinize the nominations and assist the Central Awards Committee.

Janah .

(iii) A Central Awards Committee: Compositions of following members will make the final recommendations.

Home Secretary : Chairman

Special/Additional Secretary : Member

(Incharge of Police-I Division, MHA)

Secretary(R), Cab. Sectt : Member

Director, IB : Member

Director, CBI : Member

DsG of 2 CAPFs (by rotation) : Member

DsG of 2 States (by rotation) : Member

Joint Secretary (Police-I) : Member Secretary

• Special Invitees from Fire/HG&CD/Correctional Service and CPOs with the approval of Union Home Secretary.

## **Decorations**

- (i) A Medal
- (ii) A certificate (Scroll) signed by the President will be awarded.
- (iii) The name of those to whom these awards are awarded shall be published in the Gazette of India and a Register of such names may be kept in the Ministry of Home Affairs by such person as the President may direct.
- (iv) The citation recounting the awardees' achievement shall be published in the Gazette of India.



- (v) When awarded, the "President's Medal for Gallantry" and the "Medal for Gallantry" shall carry a monetary allowance at the rates as decided by Govt. of India from time to time and subject to conditions set forth below. The charges thereof shall be borne by the revenues of the State/Union Territories concerned in respect of recipients belonging to the State/Union Territories/Autonomous Body/PSU and by the respective Central Government Organizations in respect of officers belonging to these organizations.
  - a) Where a person, who has already been awarded any Medal, Medal and a Bar, or Bar thereto for gallantry, for which he/she is getting allowance, is subsequently awarded President's Medal for Gallantry or Medal for Gallantry for a further act of gallantry, he/she shall be paid a monetary allowance attached to these Medals in addition to the allowance attached to the earlier Medals awarded to the person concerned.
  - b) The allowance shall be granted from the date of the act for which the award is given, unless, it is forfeited for misconduct, shall continue until death.
  - c) Where a recipient is in receipt of the allowance at the time of his death, it shall be continued for life or till re-marriage of his widow (the first married wife having the preference), in the case of posthumous award of the Medal or a Bar, the allowance shall be paid, from the date of the act for which the award is made, to the widow (the first married wife having preference) for her life or till re-marriage.
  - d) When the award is made posthumously to a bachelor/spinster, the monetary allowance shall be paid to his/her father or mother (mother will receive the allowance first and after her death the father) and in case the posthumous awardee is widower/widow, the allowance shall be paid to his/her son below 18 years or unmarried daughter, as the case may be.

- e) All the recipients of these Gallantry awards shall be entitled to the monetary allowance at a uniform rate, irrespective of their ranks.
- f) At present, the Monetary allowance for the "**President's Medal for Gallantry**" is Rs 6,000 per month as also for the subsequent Bar to the Medal.
- g) At present, the Monetary allowance for the "**Medal for Gallantry**" is Rs 2,000 per month as also for the Bar to the Medal.

#### Withdrawal of Medal

- a) The awards are liable to be forfeited/withdrawn/annulled when:-
  - (i) The awardee is convicted by any court of law for such an act or conduct involving moral turpitude which brings the service into disrepute
  - (ii) The awardee is dismissed from service for such an act or conduct which brings the service into disrepute
  - (iii) Any other act/conduct of the awardee which is specifically not covered under (i) and (ii) above, nevertheless, as in the opinion of the President, the awardee is guilty on the ground of disloyalty, cowardice in action or such conduct which brings the service into disrepute.
- b) Regarding withdrawal under circumstances as enumerated in (i) and (ii) of the above para, the Ministry of Home Affairs after due examination shall obtain the approval of the Competent Authority. In respect of cases falling under (iii) above, the



Ministry may consult the Central Award Committee before recommending the case for approval of the Competent Authority for withdrawal of Medals.

→ Whenever any of the existing recipients of these awards are adversely noticed at any stage for any action which is likely to bring the service into disrepute, the concerned organization must send a detailed report to the Ministry of Home Affairs immediately.

#### **Restoration of Medal**

The restoration of medal which may have been so forfeited may be considered, if the officer is subsequently exonerated or cleared of the charges framed against him/her by the court of law or his/her department. The Ministry of Home Affairs, after due examination and in consultation with Central Awards Committee shall obtain the approval of the Competent Authority for restoration of Medals.



क्रमांक 11024/06/2023 - पीएमए भारत सरकार गृह मंत्रालय पुलिस-। प्रभाग पीएमए प्रकोष्ठ

\*\*\*\*\*

नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली दिनांक 16 अक्टूबर , 2023

विषय:- "राष्ट्रपति का वीरता पदक" और "वीरता पदक" को शासित करने वाली सामान्य प्रक्रियाएं और दिशानिर्देश।

#### प्रस्तावना

राष्ट्रपति, भारत में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के पुलिस बलों /केंद्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ)/केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ), सुरक्षा संगठनों, अग्निशमन सेवा (केंद्रीय मंत्रालयों या विभागों, राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, नगरपालिका और अन्य स्वायत्त निकायों एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा संगठित और प्रशासित), जेल प्रशासन, होम गार्ड एवं सिविल डिफेंस के मान्यता-प्राप्त सदस्यों को प्रदान किये जाने के लिए "राष्ट्रपति का वीरता पदक" (पीएमजी) और "वीरता पदक" (जीएम) (इसके पश्चात इसका उल्लेख पदक के रूप में होगा) पुरस्कारों की स्थापना सहर्ष करती हैं।

# पुरस्कारों का उद्देश्य

राष्ट्रपति का वीरता पदक की स्थापना, जीवन और संपत्ति को बचाने, या अपराध को रोकने या अपराधियों को गिरफ्तार करने, किसी कैदी को पकड़ने या उनके भागने को रोकने में असाधारण साहस और कौशल के दुर्लभ विशिष्ट वीरतापूर्ण कार्य को मान्यता प्रदान करते हुए संबंधित अधिकारी द्वारा दायित्वों और कर्तव्यों के निर्वहन में होने वाले जोखिम को उचित सम्मान प्रदान करने के लिए की गई है।

Page **1** of **8** 

॥. वीरता पदक की स्थापना, जीवन और संपत्ति को बचाने, या अपराध को रोकने या अपराधियों को गिरफ्तार करने, किसी कैदी को पकड़ने या उनके भागने को रोकने में विशिष्ट वीरतापूर्ण कार्य को मान्यता प्रदान करते हुए संबंधित अधिकारी द्वारा दायित्वों और कर्तव्यों के निर्वहन में होने वाले जीखिम को उचित सम्मान देने के लिए की गई है।

# पदकों की संख्या

दोनों वीरता पुरस्कारों के लिए किसी एक वर्ष में दिए जाने वाले पदकों की संख्या की कोई सीमा नहीं होगी।

# पुरस्कारों की समय-सीमा

- (i) राष्ट्रपति का वीरता पदक और वीरता पदक के लिए संस्तुतियां पूरे वर्ष प्रेषित की जा सकती हैं।
- (ii) ये पदक गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाएंगे।

# नामांकन प्रक्रिया

- क. पुरस्कार के लिए सभी संस्तुतियां मुख्यत: अनुलग्नक । के रूप में संलग्न निर्धारित प्रारूप के अनुसार राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (https://awards.gov.in) के माध्यम से भरी/प्रस्तुत की जाएंगी।
- ख. इन पदको को प्रदान करने के लिये संस्तुतियां एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और पुरस्कारों के लिए संस्तुतियां संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र /संगठन द्वारा वीरता के उल्लेखनीय कार्य की तिथि के तुरंत बाद से लेकर एक वर्ष के भीतर की जानी चाहिए। यदि, वीरतापूर्ण कार्य की निर्धारित समय अविध के भीतर संस्तुति प्रेषित नहीं की जाती है, तो उसके प्रस्ताव को देरी के वैध कारण के साथ अवश्य ही प्रेषित किया जाना चाहिए।



- ग. यदि, प्रेषित प्रस्ताव के कार्रवाई से सम्बंधित कोई न्यायालय से जुड़ा मामला/न्यायिक कार्यवाही/मुकदमे का स्पष्टीकरण आदि लंबित है, तो पूरे प्रस्ताव को तब तक रोका जा सकता है जब तक कि सभी मुद्दों का समाधान नहीं हो जाता।
- घ. एक ही कार्रवाई में दो या दो से अधिक अनुशंसित अधिकारियो/ कार्मिकों को शामिल हो तो प्रस्ताव एक ही साथ भेजा जाना चाहिए और प्रत्येक अनुशंसित अधिकारी/ कार्मिक द्वारा वीरतापूर्ण कार्रवाई में निभाई गई भूमिका को उद्धरण (साइटेशन) में स्पष्ट रूप से दर्शाया जाना चाहिए।
- ङ. विभिन्न इकाईयों/बलों के संयुक्त कार्रवाई के मामले में, अन्य बलों/इकाईयों और उनके कर्मियों द्वारा निभाई गई भूमिका को उचित रूप से उजागर किया जाना चाहिए। इस सम्बन्ध में जानकारी निर्धारित प्रारूप मे अवश्य दर्शाना और प्रेषित करना चाहिए।
- च. उद्धरण (साइटेशन) संक्षिप्त, कालानुक्रमिक और व्यापक (**400 शब्दों से** अधिक नहीं) होना चाहिए। घटनाओं का क्रम, समुचित रूप से दिया जाना चाहिए।
- छ. राज्य पुलिस प्रशासन, या राज्य सरकार को, घटना के बारे में मारे गए व्यक्तियों के संबंध में पोस्टमार्टम रिपोर्ट की पढ़ने योग्य प्रतियों और घायल व्यक्तियों के संबंध में चोट सम्बन्धी रिपोर्ट की प्रतियों के साथ की गई एफआईआर या रिपोर्ट की प्रति प्रेषित की जानी चाहिए।
- ज. माननीय उच्चतम न्यायालय ने 1999 की दांडिक अपील संख्या 1255 जिसका शीर्षक पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज एवं अन्य बनाम महाराष्ट्र राज्य एवं अन्य था, में दिनांक 23.09.2014 के अपने फैसले के तहत पुलिस गोलीबारी में मौत के मामले में न्यायिक जांच कराने के संबंध में दिशानिर्देश जारी किए हैं। (उद्धरण अनुलग्नक-III के रूप में संलग्न है)। माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार, पुलिस गोलीबारी के दौरान होने



वाली मौत के सभी मामलों में दंड संहिता की धारा 176 के तहत न्यायिक जांच अवश्य की जानी चाहिए। इसलिए, माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्देशित आवश्यकताओं/मानदंडों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए और पुलिस मुठभेड़ों में मौत और गंभीर चोट के सभी मामलों में प्रस्ताव के साथ न्यायिक जांच रिपोर्ट की एक प्रति अवश्य ही प्रेषित की जानी चाहिए।

- झ. संगठन को उन कर्मियों के संबंध में सत्यनिष्ठा प्रमाणपत्र (अनुलग्नक ॥ के रूप में संलग्न) प्रदान करना होगा जिनके लिए पुरस्कार की संस्तुति की गई है। इस प्रमाणपत्र में यह घोषणा भी शामिल होनी चाहिए है कि अनुशंसित अधिकारी/ कार्मिक को पहले उसी वीरतापूर्ण कार्य के लिए अनुशंसित नहीं किया गया है।
- ञ. केंद्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ)/केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के संबंध में संस्तुतियों पर महानिदेशक/अपर महानिदेशक/संबंधित संगठन के प्रमुख द्वारा हस्ताक्षर किया जाना अनिवार्य है।
- ट. तकनीकी अस्वीकृतियों से बचने के लिए सभी अनुशंसाओं को राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन/प्रशासनिक नियंत्रण विभाग के माध्यम से भेजा जाना चाहिए।
- ठ. उन मामलों में जहां उपरोक्त जानकारी/दस्तावेज प्रारंभिक प्रस्ताव के साथ प्राप्त नहीं होते हैं, उन्हें अनुशंसा प्राधिकारी को अपेक्षित जानकारी/दस्तावेज के अभाव मे वापस कर दिया जाएगा।
- ड. यदि प्रस्तावों को प्रेषित करने के बाद, लेकिन अंतिम पुरस्कार की घोषणा से पहले अनुशंसित अधिकारी/ कार्मिक के बारे में कुछ भी प्रतिकूल पाया जाता है, तो ऐसी कार्रवाई का विवरण तुरंत सीलबंद लिफाफे में गृह मंत्रालय को भेजा जाना चाहिए।



# चयन प्रक्रिया

- (i) विरष्ठ अधिकारियों की समिति: केंद्रीय/राज्य/संघीय स्तर पर संगठनों के अध्यक्षों द्वारा जांच के लिए और नामित व्यक्तियों के चयन के लिए एक समिति गठित करना। उसके बाद, सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद संबंधित संगठन उनके नामांकनों को इस मंत्रालय को प्रस्तुत करेंगे।
- (ii) उप-समिति: इसका गठन नामांकनों की छंटनी करने और केंद्रीय पुरस्कार सिमिति की सहायता के लिए गृह मंत्रालय के स्तर पर केंद्रीय गृह सिचव के अनुमोदन से होगा।
- (iii) **केंद्रीय पुरस्कार समिति:** निम्नलिखित सदस्यों का समूह अंतिम सिफारिशें प्रस्तुत करेंगे:

गृह सचिव : अध्यक्ष

विशेष/अपर सचिव : सदस्य

(पुलिस-। प्रभाग, गृह मंत्रालय के प्रभारी)

सचिव (आर), मंत्रिमंडल सचिवालय : सदस्य

निदेशक, आईबी : सदस्य

निदेशक, सीबीआई : सदस्य

दो सीएपीएफ के महानिदेशक (रोटेशन द्वारा) : सदस्य

दो राज्यों के महानिदेशक (रोटेशन द्वारा) : सदस्य

संयुक्त सचिव (पुलिस-।) : सदस्य सचिव

• केंद्रीय गृह सचिव के अनुमोदन से अग्निशमन/ होम गार्ड एवं सिविल डिफेंस /सुधारात्मक सेवाओं तथा केंद्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ) से विशेष आमंत्रित व्यक्ति

# <u>अलंकरण</u>

- (i) एक पदक
- (ii) एक प्रमाणपत्र, जिस पर राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षर किए गए हों, प्रदान किया जाएगा।
- (iii) जिन व्यक्तियों को ये पुरस्कार प्रदान किया जाएगा, उनके नाम भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए जाएंगे और उनके नामों का एक रजिस्टर गृह मंत्रालय में ऐसे व्यक्ति द्वारा रखा जाएगा जिसे राष्ट्रपति निदेश दे।
- (iv) ये पुरस्कार प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की उपलब्धियों के उद्धरण (साइटेशन) भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए जाएंगे।
- (v) "राष्ट्रपति का वीरता पदक" और "वीरता पदक" प्राप्तकर्ताओं को एक मौद्रिक भत्ता दिया जाएगा, जिसकी दरों का निर्धारण भारत सरकार द्वारा समय-समय पर और नीचे दी गई शर्तों के अधीन किया जाएगा। इनका व्यय पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं से संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों/स्वायत्त निकायों/पीएसयू से संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के राजस्वों से और केंद्र सरकार के संगठनों के सम्बंध मे वहन पुरस्कृत प्राप्तकर्ताओं के संबंधित संगठन द्वारा किया जाएगा।
- क) जहां अधिकारी/ कार्मिक, जिसे पहले से ही वीरता के लिए कोई पदक या बार से सम्मानित किया जा चुका है, जिसके लिए उसे भत्ता मिल रहा है, उसे बाद में आगे किसी अन्य वीरता के कार्य के लिए "राष्ट्रपति का वीरता पदक" और "वीरता पदक" से सम्मानित किया जाता है, तो उसे दिए गए पहले पदकों से जुड़े भत्ते के अलावा इन पदकों से जुड़ा एक मौद्रिक भत्ता भी दिया जाएगा।

ख) यह भत्ता उस कार्य की तारीख से दिया जाएगा, जिसके लिए पुरस्कार दिया गया है, जब तक कि इसे कदाचार के लिए जब्त नहीं किया जाता है, उसकी मृत्यु तक जारी रहेगा।

- ग) जहां किसी प्राप्तकर्ता को उसकी मृत्यु के समय भत्ता मिल रहा है, तो यह उसकी विधवा को जीवनभर (पहली विवाहित पत्नी को प्राथमिकता देते हुए) के पुनर्विवाह तक जारी रखा जाएगा, पदक या बार के मरणोपरांत पुरस्कार के मामले में इस भत्ते का भुगतान, उस कृत्य की तारीख से, जिसके लिए पुरस्कार दिया गया है, उसकी विधवा (पहली विवाहित पत्नी, को प्राथमिकता देते हुए) को जीवन भर या पुनर्विवाह तक किया जाएगा।
- घ) जब पुरस्कार किसी अविवाहित पुरुष/ महिला को मरणोपरांत दिया जाता है, तो मौद्रिक भत्ता उसके पिता या माता को दिया जाएगा (पहले मां को और उसकी मृत्यु के बाद पिता को भत्ता मिलेगा) और यदि मरणोपरांत पुरस्कार प्राप्तकर्ता विधुर/विधवा है, तो भत्ता उसके 18 वर्ष से कम उम्र के बेटे या अविवाहित बेटी, जैसा भी मामला हो, को दिया जाएगा।
- ङ) इन वीरता पुरस्कारों के सभी प्राप्तकर्ता एक समान दर पर मौद्रिक भत्ते के हकदार होंगे, चाहे उनका पदनाम ( रैंक ) कुछ भी हो।
- च) वर्तमान में "**राष्ट्रपति का वीरता पदक**" और इसके प्रत्येक बार के लिए मौद्रिक भत्ता 6,000 रूपए प्रतिमाह है।
- छ) वर्तमान में "वीरता पदक" और इसके प्रत्येक बार के लिए के लिए मौद्रिक भत्ता 2,000 रूपए प्रतिमाह है।

# पदक की वापसी/ ज़ब्ती

- क) उपरोक्त पुरस्कारों को निम्न स्थितियों में ज़ब्त किया/वापस लिया/रद्द किया जा सकता है :-
  - (i) पुरस्कार प्राप्तकर्ता, जिसे किसी ऐसे नैतिक अधमता से जुड़े कृत्य या आचरण पर, जो सेवा को बदनाम करता हो, को न्यायालय द्वारा आरोपी सिद्ध किया गया हो।



- (ii) पुरस्कार प्राप्तकर्ता के किसी ऐसे कार्य या आचरण, जो सेवा को बदनाम करता हो, के लिए बर्खास्त किया गया हो।
- (iii) पुरस्कार प्राप्तकर्ता का अन्य कोई ऐसा कृत्य/आचरण, जो विशेषतः उपरोक्त पैरा (i) और (ii) में शामिल नहीं है, फिर भी, राष्ट्रपति के मत में, पुरस्कार प्राप्तकर्ता विश्वासघात, कार्य में कायरता या ऐसे आचरण के आधार पर दोषी है, जो सेवा को बदनाम करता है।
- ख) उपरोक्त पैरा (i) और (ii) में बताई गई परिस्थितियों में पदक वापसी के संबंध में, गृह मंत्रालय उचित जांच के बाद सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन प्राप्त करेगा। उपरोक्त पैरा (iii) के अंतर्गत आने वाले मामलों के संबंध में, मंत्रालय पदकों की वापसी के लिए सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन हेतु मामलों की सिफारिश करने से पहले केंद्रीय पुरस्कार समिति से परामर्श लेगा।
- जब भी इन पुरस्कारों के मौजूदा प्राप्तकर्ताओं के बारे में किसी भी स्तर पर उनके किसी कृत्य के संबंध में कदाचार/प्रतिकूल सूचना प्राप्त होती है जो उसकी सेवा को बदनाम करती हो, तो संबंधित संगठन तत्काल गृह मंत्रालय को विस्तृत रिपोर्ट भेजेगा।

# पदक की बहाली

जो पदक ज़ब्त कर लिया गया हो, उस स्थिति में उनकी बहाली पर विचार किया जा सकता है, यदि अधिकारी को किसी न्यायालय या उसके विभाग द्वारा उसके विरुद्ध लगाए गए आरोपों से मुक्त कर दिया गया हो। गृह मंत्रालय केंद्रीय पुरस्कार सिमिति के परामर्श से एवं उचित जांच के बाद पदकों की बहाली के लिए सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन प्राप्त करेगा।

#### (PRESCRIBED PERFORMA)

# RECOMMENDATION FOR AWARD OF PRESIDENT'S MEDAL FOR GALLANTRY/ MEDAL FOR GALLANTRY

# 1. NAME OF ORGANIZATION RECOMMENDING THE CASE WITH FULL ADDRESS

(Police Force of State/UTs/CPOs/CAPF, Security Organization; Fire Service(organized and Administered by the Central Ministries or Departments, State Government, UTs, Municipal and other autonomous Bodies, and PSUs), Prison Administration, Home Guard and Civil Defence)

#### 2. DATE OF GALLANT ACTION:-

| D | D | M | M | Y | Y | Y | Y |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
|   |   |   |   |   |   |   |   |

#### 3. PLACE OF GALLANT ACTION:-

| STATE | DISTRICT | TEHSIL | POLICE<br>STATION | VILLAGE/AREA |
|-------|----------|--------|-------------------|--------------|
|       |          |        |                   |              |

#### 4. DETAILS OF RECOMMENDEES:-

| SI<br>No | Name        |       | Father's<br>Name | Date<br>of<br>Birth | Designa                | fion        | Medal<br>Recomm<br>ended<br>(President<br>'s Medal<br>for<br>Gallantry/<br>Medal for<br>Gallantry) | Serving/<br>Posthum<br>us | If posthum us, details of Next of kin | Conta<br>ct<br>numb<br>er of<br>recom<br>mend<br>ee | Details of Gallant ry medal awarde d earlier (if any) | Rewar ds ( i.e Cash, Honor arium, Comm endati on Certifi cate, any other( specify | If recomme ndee involving in any Disciplin ary case ( If yes, specify details) | If recomme ndeever proceede d with any punishm ent ( If yes, specify details) | Uplo<br>ad<br>Phot<br>ogra<br>ph<br>of<br>reco<br>mme<br>ndee |
|----------|-------------|-------|------------------|---------------------|------------------------|-------------|--|---------------------------|---------------------------------------|---|---|---|--|---|---|
|          | Engl<br>ish | Hindi |                  |                     | At the time of operati | N<br>o<br>w |  |                           |                                       |   |   | ,   |  |   |   |

# 5. COMPOSITION OF PARTY(S) WHO PARTICIPATED (WHICH WILL INCLUDE ALL FORCES)

| Sl. No. | Name of Forces | Name and rank of persons who participated |
|---------|----------------|---|
| 1.      |                | _   |
| 2.      |                |   |



## 6. PERSONNEL PARTICIPATED BUT NOT RECOMMENDED

|   | Sl.<br>No.   | Name<br>Forces |         | Name and ran  | ~                | Reasons for not recommending |  |  |  |
|---|--|----------------|---------|---------------|------------------|------------------------------|--|--|--|
| 7. NA   | 7. NAME OF PERSONS INCLUDING POSTHUMOUS RECOMMENDEES,  |                |         |               |                  |                              |  |  |  |
|   | WHO KILLED IN ACTION   |                |         |               |                  |                              |  |  |  |
|   | SI.N   | o. Rec         | commend | lees          | Non recommen     | dees                         |  |  |  |
|   |  | _              |         |               |                  |                              |  |  |  |
| 8. NA   | ME (   | OF PEI         | RSONS I | INJURED       |                  |                              |  |  |  |
|   | Sl.N   | o. Rec         | commend | lees          | Not recommendees |                              |  |  |  |
| o pr  | COV  | FRIFS          | MADE    | •_            |                  |                              |  |  |  |
| <i>&gt;.</i> Re   | ZCOV   | EKIES          |         |               |                  |                              |  |  |  |
|   | 10. IS THERE ANY COURT CASE/JUDICIAL /MAGISTERIAL PROCEEDINGS WITH REFERENCE TO THE OPERATION IN QUESTION? |                |         |               |                  |                              |  |  |  |
|   | Yes/No   |                |         |               |                  |                              |  |  |  |
| If yes, its status as on date   |  |                |         |               |                  |                              |  |  |  |
| 11. REASONS FOR DELAY, IF ANY- (In case of proposal is made after one year from the date of incident) |  |                |         |               |                  |                              |  |  |  |
| 12. CI  | TATI   | ON (A          | A brief | account of ga | ullant action No | ot more than 400 words)      |  |  |  |

\*Reasons for not recommending other including personnel of other forces who participated

In case of 'No' why?

Yes/No

13.IN CASE OF JOINT OPERATION, COMMENTS FROM

PARTICIPATING FORCES TAKEN.

#### 14. CHECK LIST

- 1. Forwarding letter from Organization
- 2. FIR
- 3. Post Mortem Report (if, any person died in operation)
- 4. First Sitrep/Copy of occurrence register
- 5. Medical documents/Injury Report (if, any person injured during operation)
- 6. Firing Details
- 7. Seizure Memo
- 8. Magisterial Inquiry
- 9. Status of NHRC/SHRC/Court Case (if any)
- 10.Integrity certificate
- 11. Any other documents (News paper cutting/Photographs etc)

| Signature of the Recommen | ding Authority |
|---------------------------|----------------|
| Name                      |                |
| Designation               |                |
| Signature                 |                |
| Date                      |                |

Silve

**Head of Organization** 

# **INTEGRITY CERTIFICATE**

School

The following requirements to be followed in the matters of investigating police encounters in the cases of death as the standard procedure for thorough, effective and independent investigation:

- (1) Whenever the police is in receipt of any intelligence or tip-off regarding criminal movements or activities pertaining to the commission of grave criminal Offence, it shall be reduced into writing in some form (preferably into base diary) or in some electronic form. Such recording need not reveal details of the suspect or the location to which the party is headed. If such intelligence or tip-off is received by a higher authority, the same may be noted in some form without revealing details of the suspect or the location.
- (2) If pursuant to the tip-off or receipt of any intelligence, as above, encounter takes place and firearm is used by the police party and as a result of that, death occurs, an FIR to that effect shall be registered and the same shall be forwarded to the court under Section 157 of the Code without any delay. While forwarding the report under Section 157 of the Code, the procedure prescribed under Section 158 of the Code shall be followed.
- (3) An independent investigation into the incident/encounter shall be conducted by the CID or police team of another police station under the supervision of a senior officer (at least a level above the head of the police party engaged in the encounter). The team concluding inquiry/investigation shall at a minimum, seek:
  - (a) To identify the victim, colour photographs of the victim should be taken;
  - (b) To recover and preserve evidentiary material, including blood-stained earth hair, fibers and threads, etc., related to the death;
  - (c) To identify scene witnesses with complete names, addresses and telephone number and obtain their statements (including the statements of police personnel involved) concerning the death;
  - (d) To determine the cause, manner, location (including preparation of rough sketch of topography of the scene and, if possible, photo/video of the scene and any physical evidence) and time of death as well as any pattern or practice that may have brought about the death;
  - e) It must be ensured that intact fingerprints of deceased are sent for chemical analysis. Any other fingerprints should be located, developed, lifted and sent for chemical analysis;
  - (f) Post-mortem must be conducted by two doctors in the District Hospital, one of them; as far as possible, should be In-charge/Head of the District Hospital. Post-mortem shall be video-graphed and preserved;

Shill

- (g) Any evidence of weapons, such as guns, projectiles, bullets and cartridge cases, should be taken and preserved. Wherever applicable, tests for gunshot residue and trace metal detection should be performed.
- (h) The cause of death should be found out, whether it was natural death, accidental death, suicide or homicide.
- (4) A Magisterial inquiry under Section 176 of the Code must invariably be held in all cases of death which occur in the course of police firing and a report thereof must be sent to Judicial Magistrate having jurisdiction under Section 190 of the Code.
- (5) The involvement of NHRC is not necessary unless there is serious doubt about independent and impartial investigation. However, the information of the incident without any delay must be sent to NHRC or the State Human Rights Commission, as the case may be.
- (6) The injured criminal/victim should be provided medical aid and his/her statement recorded by the Magistrate or Medical Officer with certificate of fitness.
- (7) It should be ensured that: there is no delay in sending FIR, diary entries, panchnamas, sketch, etc., to the concerned Court.
- (8) After full investigation into the incident, the report should be sent to the competent court under Section 173 of the Code. The trial, pursuant to the chargesheet submitted by the Investigating Officer, must be concluded expeditiously.
- (9) In the event of death, the next of kin of the alleged criminal/victim must be informed at the earliest.
- (10) Six monthly statements of all cases where deaths have occurred in police firing must be sent to NHRC by DGPs. It must be ensured that the six monthly statements reach to NHRC by 15<sup>th</sup> day of January and July, respectively. The statements may be sent in the following format along with post mortem, inquest and, wherever available, the inquiry reports:
  - (i) Date and place of occurrence.
  - (ii) Police Station, District.
  - (iii) Circumstances leading to deaths:
    - (a) Self defence in encounter.
    - (b) In the course of dispersal of unlawful assembly.
    - (c) In the course of affecting arrest.
  - (iv) Brief facts of the incident.
  - (v) Criminal Case No.
  - (vi) Investigating Agency.
  - (vii) Findings of the Magisterial Inquiry/Inquiry by Senior Officers:
    - (a) Disclosing, in particular, names and designation of, police officials, if found responsible for the death; and
    - (b) Whether use of force was justified and action taken was lawful.

- (11) If on the conclusion of investigation the materials/evidence having come on record show that death had occurred by use of firearm amounting to offence under the IPC, disciplinary action against such officer must be promptly initiated and he be placed under suspension.
- (12) As regards compensation to be granted to the dependents of the victim who suffered death in a police encounter, the scheme provided under Section 357-A of the Code must be applied.
- (13) The police officer(s) concerned must surrender his/her weapons for forensic and ballistic analysis, including any other material, as required by the investigating team, subject to the rights under Article 20 of the Constitution.
- (14) An intimation about the incident must also be sent to the police officer's family and should- the family need services of a lawyer / counselling, same must be offered.
- (15) No out-of-tum promotion or instant gallantry rewards shall be bestowed on the concerned officers soon after the occurrence. It must be ensured at all costs that such rewards are given/recommended only when the gallantry of the concerned officers is established beyond doubt.
- (16) If the family of the victim finds that the above procedure has not been followed or there exists a pattern of abuse or lack of independent investigation or impartiality by any of the functionaries as above mentioned, it may make a complaint to the Sessions Judge having territorial jurisdiction over the place of incident. Upon such complaint being made, the concerned Sessions Judge shall look into the merits of the complaint and address the grievances raised therein.

The above guidelines will also be applicable to grievous injury cases in police encounter, as for as possible.

\*\*\*

# No. 11024/06/2023 - PMA Government of India Ministry of Home Affairs Police-I Division PMA Cell

North Block, New Delhi

Dated the 16th October, 2023

Subject:- General procedures and Guidelines governing "President's Medal for Distinguished Service" and "Medal for Meritorious Service".

#### Introduction

The President is pleased to institute the awards namely "President's Medal for Distinguished Service" (PSM) and "Medal for Meritorious Service" (MSM) (hereinafter referred to as the awards) to be conferred on the members of recognized Police Forces of States/Union Territories/Central Police Organizations (CPOs), Central Armed Police Forces (CAPFs), Security Organizations; Fire Service (organized and administered by the Central Ministries or Departments, State Governments, Union Territory Administrations, Municipal and other Autonomous Bodies, and Public Sector Undertakings); Prison Administration; Home Guards and Civil Defence in India.

# Objective of the Awards

(i) The President's Medal for Distinguished Service has been instituted to recognize a special distinguished record or prolonged service, but only when distinguished by very exceptional ability and merit or exhibition of conspicuous devotion to duty in Police Service or the Units of Centre Police & Security Organization / Correctional Service / Fire Service / Home Guard & Civil Defence, so as to organize and maintain their respective services successfully

Schol

under special difficulties and marked by efficiency, integrity, loyalty, high sense of discipline and spirit of sacrifice such as:

- a. In case of Police Force, special service in dealing with serious or widespread outbreaks of crime or public disorder.
- b. In case of Fire Service, handling various or widespread outbreaks of fires.
- c. In case of Correctional Service, outstanding ability in putting out riots, preventing escape of prisoners, mass admission of prisoners, rescuing the officials and exemplary service.
- d. In case of Civil Defence & Home Guards, special service in dealing with serious or widespread outbreaks of crime or public disorder, or with calamities like fire, earthquake, famine, flood and epidemics.
- (ii) The Medal for Meritorious Service has been instituted to recognize the valuable services characterized by resource and devotion to duty including prolonged service marked by ability and merit in Police Service or the Units of Centre Police & Security Organization/Correctional Service/ Fire Service/ Home Guard & Civil Defence.

## **Eligibility Criteria**

(i) Prolonged service of 25 years irrespective of rank on the date of occasion i.e. 26th January/ 15th August as the case may be, marked by exceptional ability and merit for the members of Police Service or the Units of Centre Police & Security Organization, Fire Service, Correctional Service and regular paid employees of Home Guard and Civil Defence and minimum fourteen years of service for the volunteer members of the Home Guard and Civil Defence are required for

Shid

President's Medal for Distinguished Service. This award may be recommended after 06 years of award of Medal for Meritorious Service Police Medal for Meritorious orMedal Meritorious Service/Fire Service for Service/Correctional Service Medal for Meritorious Service/ Home Guard and Civil Defence Medal for Meritorious Service. as the case may be for any of the aforesaid services.

- (ii) Prolonged service of minimum 18 years on the date of occasion i.e. 26th January/ 15th August as the case may be, marked by ability and merit for the members of Police Service or the Units of Centre Police & Security Organization, Fire Service, Correctional Service and regular paid employees of Home Guard and Civil Defence and minimum eight years of service for the volunteer members of the Home Guard and Civil Defence are required for **Medal for Meritorious Service**.
- (iii) The officer who has already been awarded Presidents' Police/Fire Service/Correctional Service/Home Guard and Civil Defence Medal for Distinguished Service shall not be awarded "President's Medal for Distinguished Service" thereafter.
- (iv) Also, for the officer who has already been awarded Police/Fire Service/Correctional Service/Home Guard and Civil Defence Medal for Meritorious Service shall not be awarded "Medal for Meritorious Service" thereafter.
- (v) The President's Medal for Distinguished Service and Medal for Meritorious Service shall be awarded to officer/ personnel of eligible organizations as mentioned above only once in his/her entire service.



- (vi) The integrity of the recommendee shall be above suspicion and he/she should not be concerned in any proceedings that were censured in the Court of Law. Further, no judicial or departmental proceedings shall be contemplated/pending against him/her.
- (vii)No vigilance case should be pending/contemplated against him/her.
- (viii) The recommendee has not been given any penalty or punishment in the period under review (Last ten years).
- (ix) The character & antecedents of the recommendee need to be duly verified so as to find nothing adverse reported against him/her.
- (x) APARs for last 10 years shall be considered for both the awards.
- (xi) In case of volunteers of Home Guards and Civil Defence where there is no system of writing APAR, a current work performance report as per the format attached (**Annexure II**) should be submitted with the recommendation.
- (xii) In case of "President's Medal for Distinguished Service", out of 10 APARs, minimum 08 APARs must be Outstanding/ Very Good (in which also at least 05 APARs must be Outstanding) and the Officer should not have earned any below Very Good APAR during the period under review.

## (xiii) Missing APARs

- a) More than 1 missing APAR will lead to disqualification
- b) Last year APAR should not be missing

Sylvegy

- (xiv) In case of "Medal for Meritorious Service", out of 10 APARs, minimum 08 APARs must be Outstanding/ Very Good (in which also at least 01 APAR must be Outstanding) and the Officer should not have earned any below Good APAR during the period under review.
- (xv)In case of Non-Initiation Certificate (NIC), backward review of APARs upto 3 years may be done for both the awards.
- (xvi) Minor penalty/censure should be counted only for review period i.e., only from the last thirteen (Ten + Three) years, and not for the whole service.
- (xvii) Officer should be physically fit and must be in SHAPE 1 category as notified by MHA. Relaxation for SHAPE 2 category may be given in exceptional cases by Central Awards Committee.
- (xviii) Medical category given as per their medical examination carried out by authorized medical officer/medical board.

#### **Number of Medal**

- (i) The number of **President's Medal for Distinguished Service** in any one year shall not exceed 278.
- (ii) The number of **Medal for Meritorious Service** in any one year shall not exceed 1590.



#### Timeline of Award / Award Timeline

- (i) Recommendations for the awards should be submitted by 26<sup>th</sup> October (for announcement on Republic Day) and 15<sup>th</sup> May (for announcement on Independence Day).
- (ii) The medal will be awarded on the occasions of Republic Day and Independence Day.

#### **Nomination Process**

- A. The respective Organizations will fill/submit their nominations through National Award Portal (<a href="https://awards.gov.in">https://awards.gov.in</a>) in prescribed proforma as per **Annexure-I**.
- B. The recommendation for the awards shall be made by the concerned State/UT/organizations from all ranks in due proportion.
- C. While recommending for these service awards to eligible personnel, seniority combined with professionalism and repute may be taken into consideration.
- D. The citation in respect of each officer recommended for award of Distinguished Service/Meritorious Service should not exceed 200 words.
- E. 'No Objection Certificates' wherever applicable may be sent to this Ministry as early as possible;
  - a) The cases of police officers who are working on deputation for a period of one year or less and where the officer is eligible and is considered fit for these awards, the recommendation should be forwarded by the parent departments to the Ministry of Home Affairs. Where the officer is on deputation and in the borrowing department

Page **6** of **10** 

has completed more than one year of service, the recommendation should be initiated by the borrowing department.

- b) APARs however must be completed for the period and "No Objection Certificate" from the parent cadre invariably be obtained so that if any complaint/court proceedings case/departmental are pending contemplated against the person recommended, the same becomes available with the recommending authority. Similarly, vice versa the lending department will also obtain "No objection Certificate" from the borrowing department even when the officer on deputation is repatriated to his parent cadre. In case, an officer on central deputation moves from one organization to the other, and is recommended by his present employer, he will seek "No Objection Certificate" from his previous organization(s) as well as his parent Recommending authority is wholly responsible for timely submission of "No Objection Certificate" in respect of police officer on deputation recommended for President's Medal for Distinguished Service/ Medal for meritorious service.
- F. Due attention is to be paid to accommodate candidates belonging to SC/ST, woman and minorities.
- G. The recommendations are required to be signed by Director General/Additional Director General/Head of Organization concerned. All recommendations are to be routed through the State Government/UT Administration/Administrative Controlling Department to avoid technical rejections.

H. In case anything adverse is noticed about the recommendee subsequent to the recommendations but before the declaration of the final award, details of such action should be sent to the Ministry immediately in the sealed cover.

#### **Selection Process**

- (i) A Committee of Senior Officers: For examination and selection of nominees at Central/State/UT Agency Level, constituted by the head of the Organizations. Thereafter, the respective Organization will submit the nominations of the same to this Ministry after completing all the codal formalities.
  - (ii) A Sub-Committee: It is formed with the approval of Union Home Secretary at the level of Ministry of Home Affairs to scrutinize the nominations and assist the Central Awards Committee.
  - (iii) A Central Awards Committee: Compositions of following members will make the final recommendations.

Home Secretary : Chairman

Special/Additional Secretary : Member

(Incharge of Police-I Division, MHA)

Secretary(R), Cab. Sectt : Member

Director, IB : Member

Director, CBI : Member

DsG of 2 CAPFs (by rotation) : Member

DsG of 2 States (by rotation) : Member

Joint Secretary (Police-I) : Member Secretary

• Special Invitees from Fire/HG&CD/Correctional Service and CPOs with the approval of Union Home Secretary.

Page **8** of **10** 

#### **Decorations**

- (i) A Medal
- (ii) A certificate (Scroll) signed by the President will be awarded.
- (iii) The name of those to whom this medal may be awarded shall be published in the Gazette of India and a Register of such names may be kept in the Ministry of Home Affairs by such person as the President may direct.

#### Withdrawal of Medal

- a) The award is liable to be forfeited/withdrawn/annulled when :-
  - (i) The awardee is convicted by any court of law for such an act or conduct involving moral turpitude which brings the service into disrepute
  - (ii) The awardee is dismissed from service for such an act or conduct which brings the service into disrepute
  - (iii) Any other act/conduct of the awardee which is specifically not covered under (i) and (ii) above, nevertheless, as in the opinion of the President, the awardee is guilty on the ground of disloyalty, cowardice in action or such conduct which brings the service into disrepute.
- b) Regarding withdrawal under circumstances as enumerated in (i) and (ii) of the above para, the Ministry of Home Affairs after due examination shall obtain the approval of the Competent Authority. In respect of cases falling under (iii) above, the Ministry may consult the Central Award Committee before recommending the case for approval of the Competent Authority for withdrawal of Medals.

Shah

→ Whenever any of the existing recipients of these awards are adversely noticed at any stage for any action which is likely to bring the service into disrepute, the concerned organization must send a detailed report to the Ministry of Home Affairs immediately.

#### **Restoration of Medal**

The restoration of medal which may have been so forfeited may be considered, if the officer is subsequently exonerated or cleared of the charges framed against him/her by the court of law or his/her department. The Ministry of Home Affairs, after due examination and in consultation with Central Awards Committee shall obtain the approval of the Competent Authority for restoration of Medals.

Page **10** of **10** 

सं. 11024/06/2023 – पीएमए भारत सरकार गृह मंत्रालय पुलिस-। प्रभाग पीएमए प्रकोष्ठ

नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली

दिनांक 16 अक्टूबर, 2023

विषय:- "राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक" और "सराहनीय सेवा के लिए पदक" को शासित करने वाली सामान्य प्रक्रियाएं और दिशानिर्देश।

#### प्रस्तावना

राष्ट्रपति, भारत में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के पुलिस बलों /केंद्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ)/केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ), सुरक्षा संगठनों, अग्निशमन सेवा (केंद्रीय मंत्रालयों या विभागों, राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, नगरपालिका और अन्य स्वायत्त निकायों एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा संगठित और प्रशासित), जेल प्रशासन, होम गार्ड एवं सिविल डिफेंस के मान्यता-प्राप्त सदस्यों को प्रदान किये जाने के लिए "राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक" (पीएसएम) और "सराहनीय सेवा के लिए पदक" (एमएसएम) (इसके पश्चात इसका उल्लेख पदक के रूप में होगा) पुरस्कारों की स्थापना सहर्ष करती हैं।

# पुरस्कारों का उद्देश्य

(i) "राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक" की स्थापना पुलिस सेवा अथवा केन्द्रीय पुलिस की इकाईयों और सुरक्षा संगठन/सुधारात्मक सेवा/अग्निशमन सेवा/होम गार्ड और सिविल डिफेंस के अधिकारी/ कार्मिक को अतिविशिष्ट कुशलता और योग्यता अथवा कर्तव्य के प्रति अतिविशिष्ट समर्पण के साथ किसी विशिष्ट सराहनीय रिकॉर्ड अथवा लम्बी सेवा को सम्मान देने के लिए किया गया है, ताकि निम्नलिखित स्थितियों और विशेष कठिनाईयों में उनके द्वारा सेवा



मे दिखाई गई कुशलता, निष्ठा, वफादारी, अनुशासन और बलिदान की उच्च भावना की सफलतापूर्वक अनुरक्षण हो सके :

- (क) पुलिस बल के मामले में, अपराध अथवा लोक व्यवस्था की गंभीर और व्यापक समस्या से निपटने में विशेष सेवा।
- (ख) अग्निशमन सेवा के मामले में, आग लगने की विभिन्न और बड़ी घटनाओं से निपटना।
- (ग) सुधारात्मक सेवा के मामले में, दंगो को रोकने, कैदियों के भागने को रोकने, बडी संख्या में कैदियों को रखने, अधिकारियों को बचाने और अनुकरणीय सेवा में असाधारण क्षमता।
- (घ) सिविल डिफेंस और होम गार्ड के मामले में, गंभीर अथवा व्यापक अपराध या लोक व्यवस्था के भंग होने अथवा आग लगने, भूकंप, अकाल, बाढ और महामारी जैसी आपदाओं से निपटने में विशेष सेवा।
- (ii) "सराहनीय सेवा के लिए पदक" पुलिस सेवा अथवा केन्द्रीय पुलिस की इकाईयों और सुरक्षा संगठन/सुधारात्मक सेवा/अग्निशमन सेवा/होम गार्ड और सिविल डिफेंस के अधिकारी/ कार्मिक को कुशलता और योग्यता के साथ दीर्घावधिक सेवा सहित संसाधन और कर्तव्य के प्रति समर्पण से सुसज्जित मूल्यवान सेवा को मान्यता देने के लिए की गई है।

## पात्रता के मानदंड

(i) राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक हेतु अवसर की तारीख अर्थात 26 जनवरी/15 अगस्त, जैसा भी मामला हो, को पुलिस सेवा अथवा केन्द्रीय पुलिस की इकाईयों और सुरक्षा संगठन, अग्निशमन, सुधारात्मक सेवा के कर्मियों तथा होम गार्ड और सिविल डिफेंस के नियमित भुगतान कर्मियों के लिए रैंक से इतर 25 वर्ष की दीर्घकालिक विशिष्ट क्षमता और योग्यता वाली सेवा तथा होम गार्ड और सिविल डिफेंस के स्वैच्छिक सदस्यों के लिए न्यूनतम 14 वर्ष की विशिष्ट क्षमता और योग्यता वाली सेवा अपेक्षित है। इस पुरस्कार की अनुशंसा सराहनीय सेवा के लिए पदक अथवा सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक/ सराहनीय सेवा के लिए अग्निशमन सेवा पदक/सराहनीय सेवा के लिए सुधारात्मक सेवा पदक/ सराहनीय सेवा के लिए गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा सेवा पदक, जैसा भी मामला हो, के दिए जाने के छह वर्ष बाद की जाएगी।

Shill

- (ii) सराहनीय सेवा के लिए पदक हेतु अवसर की तारीख अर्थात 26 जनवरी/15 अगस्त, जैसा भी मामला हो, को पुलिस सेवा अथवा केन्द्रीय पुलिस की इकाईयों और सुरक्षा संगठन, अग्निशमन, सुधारात्मक सेवा के कर्मियों तथा होम गार्ड और सिविल डिफेंस के नियमित भुगतान कर्मियों के लिए 18 वर्ष की दीर्घकालीक विशिष्ट क्षमता और योग्यता वाली सेवा तथा होम गार्ड और सिविल डिफेंस के स्वैच्छिक सदस्यों के लिए न्यूनतम 08 की विशिष्ट क्षमता और योग्यता वाली वर्ष सेवा अपेक्षित है।
- (iii) जिस अधिकारी को विशिष्ट सेवा के लिए पुलिस/अग्निशमन सेवा/सुधारात्मक सेवा/ गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा का राष्ट्रपति पदक प्रदान किया जा चुका है उसे "राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक" प्रदान नहीं किया जाएगा।
- (iv) जिस अधिकारी को सराहनीय सेवा के लिए पुलिस/अग्निशमन/सुधारात्मक सेवा/ गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा पदक प्रदान किया जा चुका है उसे भी "सराहनीय सेवा के लिए पदक" प्रदान नहीं किया जाएगा।
- (v) ऊपर उल्लिखित पात्र संगठनों के अधिकारी/ कार्मिक को उसके पूरे सेवाकाल में केवल एक बार ही "राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक" और "सराहनीय सेवा के लिए पदक"प्रदान किया जाएगा।
- (vi) अनुशंसित अधिकारी/ कार्मिक की निष्ठा संदेह से परे होगी और उसे किसी विधि न्यायालय में निन्दा (सेंसर) की गई किसी कार्यवाही में संबंधित नहीं होना चाहिए। इसके अलावा, उसके विरुद्ध कोई न्यायिक अथवा विभागीय कार्यवाही विचाराधीन/लंबित नहीं होना चाहिए।
  - (vii) उसके विरुद्ध कोई सतर्कता मामला लंबित/ विचाराधीन नहीं होना चाहिए।
  - (viii) अनुशंसित अधिकारी/ कार्मिक के विरुद्ध समीक्षाधीन अवधि (विगत दस वर्ष) में कोई जुर्माना या सज़ा नहीं लगाई गई हो।
  - (ix) अनुशंसित अधिकारी/ कार्मिक के चरित्र और पूर्ववृत्त का विधिवत सत्यापन किया गया हो ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसके विरुद्ध कोई प्रतिकूल रिपोर्ट नहीं है।

- (x) दोनों पुरस्कारों के लिए पिछले 10 वर्ष के एपीएआर (APAR) पर विचार किया जाएगा।
- (xi) होम गार्ड और सिविल डिफेंस के स्वैच्छिक सदस्यों के मामले में, जहां एपीएआर (APAR) लिखने की कोई व्यवस्था नहीं है, संलग्न प्रारूप (अनुलग्नक II) के अनुसार वर्तमान कार्य निष्पादन रिपोर्ट अनुशंसा के साथ प्रस्तुत की जाएगी।
- (xii) "राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक" के मामले में, 10 एपीएआर (APAR) में से, कम से कम 08 एपीएआर (APAR) उत्कृष्ट/ बहुत अच्छा (Outstanding/ Very Good) होने चाहिए (जिसमें से कम से कम 05 एपीएआर (APAR) उत्कृष्ट (Outstanding) होने चाहिए) और अधिकारी समीक्षाधीन अवधि के दौरान कभी भी बहुत अच्छी (Very Good) एपीएआर (APAR) से नीचे न रहा हो।

# (xiii) अप्राप्य एपीएआर (Missing APAR)

- क) यदि 1 से अधिक एपीएआर अप्राप्य हो तो अधिकारी अयोग्य हो जाएगा। ख) पिछले वर्ष की एपीएआर अप्राप्य नहीं होनी चाहिए।
- (xiv) "सराहनीय सेवा के लिए पदक" के मामले में, 10 एपीएआर (APAR) में से कम से कम 08 एपीएआर (APAR) उत्कृष्ट/बहुत अच्छा (Outstanding/ Very Good) होने चाहिए (जिनमें से साथ ही कम से कम 01 एपीएआर उत्कृष्ट होना चाहिए) और अधिकारी समीक्षाधीन अविध के दौरान कभी भी बहुत अच्छी (Very Good) एपीएआर से नीचे न रहा हो।
- (xv) गैर दीक्षा प्रमाणपत्र (Non-Initiation Certificate) के मामले में, 3 वर्ष तक के पूर्ववर्ती एपीएआर (APAR) की समीक्षा दोनों पुरस्कारों के लिए की जा सकती है।
- (xvi) लघु सज़ा/ निन्दा (सेंसर) की गणना केवल समीक्षा अवधि अर्थात्, केवल पिछले तेरह (दस+तीन) वर्ष से, और न की संपूर्ण सेवा के लिए की जानी चाहिए।



- (xvii) अनुशंसित अधिकारी/ कार्मिक शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए और गृह मंत्रालय द्वारा अधिसूचित आकृति 1 (Shape 1) श्रेणी में होना चाहिए। केंद्रीय पुरस्कार समिति द्वारा असाधारण मामलों में आकृति 2 (Shape 2) श्रेणी के लिए छूट दी जा सकती है |
- (xviii) अधिकृत चिकित्सा अधिकारी/चिकित्सा बोर्ड द्वारा की गई उनकी चिकित्सा जांच के अनुसार चिकित्सा श्रेणी होनी चाहिए।

## पदकों की संख्या

- (i) किसी एक वर्ष में "**राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक** "की संख्या 278 से अधिक नहीं होगी।
- (ii) किसी भी एक वर्ष में "**सराहनीय सेवा के लिए पदक"** की संख्या 1590 से अधिक नहीं होगी।

# पुरस्कार की समय-सीमा

- (i) पुरस्कारों के लिए अनुशंसाएं 26 अक्टूबर (गणतंत्र दिवस पर घोषणा के लिए) और 15 मई (स्वतंत्रता दिवस पर घोषणा के लिए) तक प्रस्तुत की जानी चाहिए।
- (ii) ये पुरस्कार गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाएंगे।



## नामांकन प्रक्रिया

- क. पुरस्कार के लिए सभी संस्तुतियां मुख्यतः **अनुलग्नक ।** के रूप में संलग्न निर्धारित प्रारूप के अनुसार राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (https://awards.gov.in) के माध्यम से भरी/प्रस्तुत की जाएंगी।
- ख. सभी रैंकों से पुरस्कारों के लिए अनुशंसाएं संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/संगठनों द्वारा उचित अनुपात में की जाएंगी।
- ग. पात्र कर्मियों को इन सेवा पुरस्कारों की अनुशंसा करते समय, इनकी वरिष्ठता के साथ-साथ सेवा के प्रति निष्ठा को ध्यान में रखा जाए।
- घ. विशिष्ट सेवा/सराहनीय सेवा पुरस्कार के लिए अनुशंसित प्रत्येक अधिकारी के संबंध में उद्धरण (साइटेशन) 200 शब्दों से अधिक का नहीं होना चाहिए।
- ङ. 'अनापत्ति प्रमाण-पत्र' जहां भी लागू हो, यथाशीघ्र-संभव इस मंत्रालय को भेजा जाए:
  - क) ऐसे पुलिस अधिकारियों के मामले जो एक वर्ष या उससे कम अवधि के लिए प्रितिनयुक्ति पर काम कर रहे हैं और जहां अधिकारी पात्र है और इन पुरस्कारों के लिए उपयुक्त है, उनकी अनुशंसा मूल (परेंट) विभाग द्वारा गृह मंत्रालय को भेजी जानी चाहिए। जहां अधिकारी प्रितिनयुक्ति पर है और आदाता विभाग में एक वर्ष से अधिक की सेवा पूरी कर चुका है, वहां अनुशंसा आदाता विभाग द्वारा शुरू की जानी चाहिए।
  - ख) उस अवधि की एपीएआर (APAR) पूरी की जानी चाहिए और मूल (परेंट) विभाग से "अनापत्ति प्रमाणपत्र" सदैव प्राप्त किया जाना चाहिए ताकि यदि अनुशंसित व्यक्ति के विरूद्ध कोई शिकायत/न्यायालयी मामला/विभागीय कार्यवाही लंबित हो या विचाराधीन हो, तो वह अनुशंसा करने वाले प्राधिकारी के पास उपलब्ध हो सके। इसी प्रकार, इसके विपरीत, प्रदाता विभाग भी

Shell

आदाता विभाग से "अनापत्ति प्रमाणपत्र" प्राप्त करेगा, भले ही प्रतिनियुक्ति पर अधिकारी को उसके मूल संवर्ग में वापस भेज दिया जाए। यदि केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर कोई अधिकारी एक संगठन से दूसरे संगठन में जाता है, और उसके वर्तमान नियोक्ता द्वारा उसकी अनुशंसा की जाती है, तो वह अपने पिछले संगठन (संगठनों) के साथ-साथ अपने मूल (परेंट) विभाग से "अनापत्ति प्रमाणपत्र" लेगा। "राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक" और "सराहनीय सेवा के लिए पदक" के लिए अनुशंसित पुलिस अधिकारी जो प्रतिनियुक्ति पर है, के संबंध में "अनापत्ति प्रमाणपत्र" समय पर प्रस्तुत करने के लिए अनुशंसा प्राधिकारी पूरी तरह से उत्तरदायी है।

- च) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, महिला और अल्पसंख्यकों से संबंधित उम्मीदवारों को समायोजित करने पर उचित ध्यान दिया जाना चाहिए।
- छ) अनुशंसाओं पर महानिदेशक/अपर महानिदेशक/संबंधित संगठन प्रमुख द्वारा हस्ताक्षर किया जाना आवश्यक है। तकनीकी अस्वीकृतियों से बचने के लिए सभी अनुशंसाओं को राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र /प्रशासनिक नियंत्रण विभाग के माध्यम से भेजा जाना चाहिए।
- ज) यदि प्रस्तावों को प्रेषित करने के बाद, लेकिन अंतिम पुरस्कार की घोषणा से पहले अनुशंसित अधिकारी/ कार्मिक के बारे में कुछ भी प्रतिकूल पाया जाता है, तो ऐसी कार्रवाई का विवरण तुरंत सीलबंद लिफाफे में गृह मंत्रालय को भेजा जाना चाहिए।

## चयन प्रक्रिया

- (i) विरेष्ठ अधिकारियों की सिमिति: केंद्रीय/राज्य/संघीय स्तर पर संगठनों के अध्यक्षों द्वारा जांच के लिए और नामित व्यक्तियों के चयन के लिए एक सिमिति गठित करना। उसके बाद, सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद संबंधित संगठन उनके नामांकनों को इस मंत्रालय को प्रस्तुत करेंगे।
- (ii) उप-सिमिति: इसका गठन नामांकनों की छंटनी करने और केंद्रीय पुरस्कार सिमिति की सहायता के लिए गृह मंत्रालय के स्तर पर केंद्रीय गृह सिचव के अनुमोदन से होगा।

Page **7** of **10** 

(iii) **केंद्रीय पुरस्कार समिति:** निम्नलिखित सदस्यों का समूह अंतिम सिफारिशें प्रस्तुत करेंगे:

गृह सचिव : अध्यक्ष

विशेष/अपर सचिव : सदस्य

(पुलिस-। प्रभाग, गृह मंत्रालय के प्रभारी)

सचिव (आर), मंत्रिमंडल सचिवालय : सदस्य

निदेशक, आईबी : सदस्य

निदेशक, सीबीआई : सदस्य

दो सीएपीएफ के महानिदेशक (रोटेशन द्वारा) : सदस्य

दो राज्यों के महानिदेशक (रोटेशन द्वारा) : सदस्य

संयुक्त सचिव (पुलिस-।) : सदस्य सचिव

• केंद्रीय गृह सचिव के अनुमोदन से अग्निशमन/ होम गार्ड एवं सिविल डिफेंस /सुधारात्मक सेवाओं तथा केंद्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ) से विशेष आमंत्रित व्यक्ति

## <u>अलंकरण</u>

- (i) एक पदक
- (ii) एक प्रमाणपत्र, जिस पर राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षर किए गए हों, प्रदान किया जाएगा।
- (iii) जिन व्यक्तियों को ये पुरस्कार प्रदान किया जाएगा, उनके नाम भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए जाएंगे और उनके नामों का एक रजिस्टर गृह मंत्रालय में ऐसे व्यक्ति द्वारा रखा जाएगा जिसे राष्ट्रपति निदेश दे ।



## पदक की वापसी/ ज़ब्ती

- क) उपरोक्त पुरस्कारों को निम्न स्थितियों में ज़ब्त किया/वापस लिया/रद्द किया जा सकता है:-
  - (i) पुरस्कार प्राप्तकर्ता, जिसे किसी ऐसे नैतिक अधमता से जुड़े कृत्य या आचरण पर, जो सेवा को बदनाम करता हो, को न्यायालय द्वारा आरोपी सिद्ध किया गया हो।
  - (ii) पुरस्कार प्राप्तकर्ता के किसी ऐसे कार्य या आचरण, जो सेवा को बदनाम करता हो, के लिए बर्खास्त किया गया हो।
  - (iii) पुरस्कार प्राप्तकर्ता का अन्य कोई ऐसा कृत्य/आचरण, जो विशेषतः उपरोक्त पैरा (i) और (ii) में शामिल नहीं है, फिर भी, राष्ट्रपति के मत में, पुरस्कार प्राप्तकर्ता विश्वासघात, कार्य में कायरता या ऐसे आचरण के आधार पर दोषी है, जो सेवा को बदनाम करता है।
- ख) उपरोक्त पैरा (i) और (ii) में बताई गई परिस्थितियों में पदक वापसी के संबंध में, गृह मंत्रालय उचित जांच के बाद सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन प्राप्त करेगा। उपरोक्त पैरा (iii) के अंतर्गत आने वाले मामलों के संबंध में, मंत्रालय पदकों की वापसी के लिए सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन हेतु मामलों की सिफारिश करने से पहले केंद्रीय पुरस्कार समिति से परामर्श लेगा।
- जब भी इन पुरस्कारों के मौजूदा प्राप्तकर्ताओं के बारे में किसी भी स्तर पर उनके किसी कृत्य के संबंध में कदाचार/प्रतिकूल सूचना प्राप्त होती है जो उसकी सेवा को बदनाम करती हो, तो संबंधित संगठन तत्काल गृह मंत्रालय को विस्तृत रिपोर्ट भेजेगा।



## पदक की बहाली

जो पदक ज़ब्त कर लिया गया हो, उस स्थिति में उनकी बहाली पर विचार किया जा सकता है, यदि अधिकारी को किसी न्यायालय या उसके विभाग द्वारा उसके विरुद्ध लगाए गए आरोपों से मुक्त कर दिया गया हो। गृह मंत्रालय केंद्रीय पुरस्कार समिति के परामर्श से एवं उचित जांच के बाद पदकों की बहाली के लिए सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन प्राप्त करेगा।

\*\*\*\*

Shell

# PROFORMA FOR THE RECOMMENDATION FOR THE AWARD OF PRESIDENT'S MEDAL FOR DISTINGUISHED SERVICE/MEDAL FOR MERITORIOUS SERVICE

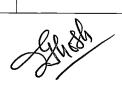
#### NAME OF ORGANIZATION RECOMMENDING THE CASE WITH FULL ADDRESS

(Police Force of State/UTs/CPOs/CAPF, Security Organization; Fire Service(organized and Administered by the Central Ministries or Departments, State Government, UTs, Municipal and other autonomous Bodies, and PSUs), Prison Administration, Home Guard and Civil Defence)

| 1  | (a) Name (As per Service Record)  | ,               |          | Middle name |             | Surname  |
|----|---|-----------------|----------|-------------|-------------|----------|
|    | (In capital letter)   |                 |          |             |             |          |
|    | (b) Name in Hindi   |                 |          |             |             |          |
| 2  | Father's Name   | First name      |          | Middle na   | ame S       | Surname  |
| 3  | Date of Birth   | Day             | M        | onth        | Year        |          |
| 4  | Age as on respective occasion (i.e 26 <sup>th</sup> January/15 <sup>th</sup> August of that year)           | Year            |          | Month       |             | Day      |
| 5  | Sex   |                 |          |             | <del></del> |          |
| 6  | Whether belongs to SC/ST/OBC/General  |                 |          |             |             |          |
| 7  | Initial appointment   | Date of joining | Rank     | Service     | Cadre       | Category |
| 8  | Status in service i.e paid or honorary  |                 | <b>.</b> |             |             |          |
| 9  | Total Service as on respective occasion (i.e 26 <sup>th</sup> January/15 <sup>th</sup> August of that year) |                 |          |             |             |          |
| 10 | (a)Present posting, with complete postal address with PIN code  | Designation     | n        | Place       | PIN code    | Date     |
|    | (b) Above details in Hindi (Mandatory)  |                 |          |             |             |          |
|    | Whether on deputation   | Yes N           | 0        |             |             |          |
| 11 | If yes, Date of joining on deputation   | Day mo          | nth      | year        |             |          |
| 12 | Year and occasion of award of Police/Fire<br>Service/Correctional Service/HG & CD                           | Year            |          |             | Occasion    |          |

School

| 13      | Rewards  | No.             | Total amount in   | Rs.            |
|---------|--|-----------------|-------------------|----------------|
|         | A) Cash Awards                                 |                 |                   |                |
|         | B) Others                                      |                 |                   |                |
|         | i) Commendation                                |                 |                   |                |
|         | ii) Appreciation                               |                 |                   |                |
| <b></b> | iii) Good Service Entries                      |                 |                   |                |
|         | iv) Any other rewards(Specify)                 |                 |                   |                |
| 14      | If Police/fire service/correction              | Year            | Occasion(RD/I     | <u>D)</u>      |
|         | service/HG&CD Medal for Meritorious            |                 | 000001011(100/1   | )              |
|         | Service awarded,                               |                 |                   |                |
| 15      | Punishment(s)                                  | Details of Pena | alty Year         | (s)            |
| 16      | Medical Category                               |                 |                   | (-)            |
| 17      | Details of any enquiry pending against the     |                 |                   |                |
|         | officer  |                 |                   |                |
| 18      | Details of disciplinary proceedings pending/   | Year            | Nature of         | Present Status |
|         | contemplated against the recommendee, if any   |                 | Allegation        |                |
| 19      |  | Year            | Details of Charge | Present Status |
|         | recommendee, if any                            |                 |                   |                |
| 20      | APAR Grading for last 10 years*                | Year            | Grading           | I              |
|         | [2011-2012 to 2020 – 2021]                     | 2008 - 2009     | J                 |                |
|         | In case of maximum 3 years NIC, APAR           | 2009 - 2010     |                   |                |
|         | grading for last 13 years *                    | 2010 - 2011     |                   |                |
|         | [2008-2009 to 2020 – 2021]                     | 2011 - 2012     |                   |                |
|         |  | 2012 - 2013     |                   |                |
|         | Similarly, in case APAR is given as per        | 2013 - 2014     |                   |                |
|         | Calendar year,                                 | 2014- 2015      |                   |                |
|         | [2009 to 2021 ]                                | 2015- 2016      |                   |                |
|         | OS – Outstanding; VG – Very Good               | 2016- 2017      |                   |                |
|         | G - Good; AV - Average; NIC - Not              | 2017- 2018      |                   |                |
|         | initiating Certificate, Adv - Adverse, MS-     | 2018- 2019      |                   |                |
|         | Missing  | 2019- 2020      |                   |                |
|         | NA – Not applicable (ACRs are not written      | 2020- 2021      |                   |                |
|         | in case of Constable and below in some         |                 |                   |                |
|         | organisations)                                 |                 |                   |                |
|         | *ACR grading should be distinctly indicated    |                 |                   |                |
|         | as Outstanding, Very Good, Good, Average       |                 |                   |                |
|         | etc. wherever different grading are applicable |                 |                   |                |
|         | in different cadre, the same should be         |                 |                   |                |
|         | converted by the recommending organization     |                 |                   |                |
|         | into the equivalent acceptable APAR grading    |                 |                   |                |
| l       | (viz OS, VG, G, AV, NIC, ADV, MS, NA)          |                 |                   |                |
|         | before forwarding the recommendation.          |                 |                   |                |
|         |  |                 |                   |                |
|         |  |                 |                   |                |



| 21 | APAR Grading for last ten years                  | OS     | VG    | G    | AV   | NIC     | ADV | MS | NA |              |
|----|--|--------|-------|------|------|---------|-----|----|----|--------------|
|    | (in number)                                      |        |       |      |      |         |     |    |    |              |
| 22 | In case of volunteers of Home Guard and Civil    |        |       |      |      |         |     | _  |    | <del>.</del> |
|    | Defence where there is no system of writing      |        |       |      |      |         |     |    |    |              |
|    | APAR, a current work performance report as       |        |       |      |      |         |     |    |    |              |
|    | per format attached should be submitted with     |        |       |      |      |         |     |    |    |              |
|    | the recommendation                               |        |       |      |      |         |     |    |    |              |
| 23 | Email address                                    |        |       |      |      |         |     |    |    |              |
| 24 | Mobile No.                                       |        |       |      |      |         |     |    |    |              |
| 25 | Brief description of work justifying award of Me | edal(N | lo po | stin | g de | tails ) | )   |    |    |              |
|    | In order of importance (not exceeding 200 words  | s each | 1)    |      |      |         |     |    |    |              |
|    |  |        |       |      |      |         |     |    |    |              |

| Signature of Recon | nmending Authority |
|--------------------|--------------------|
| Name               |                    |
| Designation        |                    |
| Contact No.        |                    |
| Date               |                    |

Ships .

## Work Performance Report (For Civil Defence and Home Guards volunteers only)

| 1. | Name of the Volunteer  |
|----|--|
| 2. | Designation  |
| 3. | Years of volunteering  |
| 4. | Training Courses attended at Local/State/National/Any other institutions |
|    | (a)  |
|    | (b)  |
|    | (c)  |

#### 5. Check one column for each attribute:

| Attributes   | Ratings     |              |      |         |                  |  |  |  |  |
|--|-------------|--------------|------|---------|------------------|--|--|--|--|
|  | Outstanding | Very<br>Good | Good | Average | Below<br>Average |  |  |  |  |
| Professional Competence  |             |              |      |         |                  |  |  |  |  |
| Job Knowledge  |             |              |      |         |                  |  |  |  |  |
| Quality of Work  |             |              |      |         |                  |  |  |  |  |
| Sense of<br>Responsibility   |             |              |      |         |                  |  |  |  |  |
| Ability to participate in discussion, seminars and Mock drills Ability to manage |             |              |      |         |                  |  |  |  |  |
| incident Personal Attribute  | es          |              |      |         |                  |  |  |  |  |
| Aptitude   |             |              |      |         |                  |  |  |  |  |
| Motivation for Volunteering  |             |              |      |         |                  |  |  |  |  |
| Tact for dealing with Community  |             |              |      |         |                  |  |  |  |  |
| Ability to Inspire others  |             |              |      |         |                  |  |  |  |  |
| State of Health  |             |              |      |         |                  |  |  |  |  |

A STATE OF THE STA